वर्ष : 33 ▸ अंक : 267 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, शुक्रवार, 13 दिसंबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दिल्ली में तय हुआ महाराष्ट्र कैबिनेट का फॉर्मूला

मोदी-शाह से मिले फडणवीस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम अजित पवार के दिल्ली दौरे से मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट बढ़ गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि मंत्रिमंडल का फॉर्मूला तय हो गया और जल्द ही आपको इसकी विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने तो मंत्रिमंडल विस्तार की संभावित तिथि शनिवार 14 दिसंबर को बताई है, लेकिन उपमुख्यमंत्री शिंदे की ओर से जानकारी नहीं दी गई है। मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बीजेपी, शिंदे और अजित पवार की लिस्ट तैयार है, लेकिन शिंदे की लिस्ट में कुछ नामों को लेकर बीजेपी को ऐतराज है। विभाग बंटवारे को लेकर भी तीनों के बीच मतभेद है जिसे दूर करने के लिए गुरुवार की रात बैठक हुई और शुक्रवार को मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों की बैठक होने वाली है।

शिंदे चाहते हैं बड़ी हिस्सेदारी

कैबिनेट विस्तार के बारे में कहा जा रहा है कि बीजेपी को 21 या फिर 22 मंत्री पद मिल सकता है जबकि शिंदे 15 मंत्री पद को लेकर अड़े हैं जबकि बीजेपी के उन्हें 12 से ज्यादा मंत्री पद देने के लिए तैयार नहीं है। अजित पवार को 10 मंत्री पद मिल रहा है। लेकिन सभी को शपथ नहीं जाएगी। करीब 8 से 10 मंत्री पद खाली रखे जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, बीजेपी के 15-16 विधायक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं, जबकि शिंदे सेना के 10 और अजित पवार गुट से 8 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है।

कैबिनेट में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री को मिलाकर 43 मंत्री बन सकते हैं। गुरुवार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उनके मंत्रिमंडल में बीजेपी के संभावित मंत्रियों के नाम तय हो गए हैं और अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। गुरुवार को दिल्ली से लौटने के बाद प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सरकारी आवास वर्षा पर पहुंचे। दोनों के बीच करीब 2 घंटे तक चर्चा चली। मंत्रिमंडल बटवारे के साथ-साथ महामंडलों के बटवारे की भी बात सामने आई है। शिंदे सेना सिडको की मांग पर अड़ी है जबकि अजित पवार सिडको को पकड़कर बैठे है।

अजीत पवार बोले- 14 को शपथ लेंगे मंत्री

पीएम मोदी की तारीफ

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद फडणवीस ने 'एक्स' पोस्ट किया कि पिछले 10 वर्षों में, आपके समर्थन से महाराष्ट्र लगभग हर क्षेत्र में नंबर एक है और अब आपके नेतृत्व और मार्गदर्शन में विकास की इस यात्रा को अगले स्तर पर ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि वह मोदी के बहुमूल्य समय, मार्गदर्शन, आशीर्वाद और महाराष्ट्र के साथ मजबूती से खड़े होने के लिए उनके अत्यंत आभारी हैं। उन्होंने कहा कि आप हम जैसे करोड़ों बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा प्रेरणा रहे हैं कि वे और अधिक मेहनत करें।

कौन लेगा अंतिम निर्णय?

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने दो दिन के दौरे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, वरिष्ठ नेता बीएल संतोष सहित अन्य लोगों से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मंत्रिमंडल विस्तार पर भी चर्चा की खबर हैं। पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि दिल्ली में अपनी पार्टी के नेताओं से मिला। उसने चर्चा की कि कौन बीजेपी से मंत्री हो सकते हैं ? इस पर अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व लेगा। इस बारे में एकनाथ शिंदे और अजित पवार अपनी-अपनी पार्टी के मंत्रियों के बारे में फैसला करेंगे।

कुर्ला बस हादसा

पहले लोगों को रौंदा फिर अपना बैग लेकर खिड़की से कूदकर भागा

CCTV वीडियो में दिखी सच्चाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में BEST बस के CCTV फुटेज में एक हैरान करने वाली घटना देखने को मिली, जिसमें बस ड्राइवर संजय मोरे दुर्घटना के बाद दो बैग लेकर बस की टूटी खिड़की से कूदता हुआ दिखाई दे रहा है। इस हादसे में बीते सोमवार की रात कुर्ला (पश्चिम) में एक बस ने सात लोगों की जान ले ली थी और 42 अन्य घायल हो गए थे। सोशल मीडिया पर करीब चार से पांच वीडियो क्लिप वायरल हुए। इन वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे यात्रियों में घबराहट फैल गई, जब इलेक्ट्रिक बस (EV) नियंत्रण से बाहर हो गई और कुर्ला की व्यस्त सड़कों पर गाड़ियों और पैदल चलने वालों को टक्कर मारने लगी। कुछ यात्री पोल्स और हैंड्ल्स को मजबूती से पकड़ने की कोशिश करते दिखे, जबकि कुछ अपनी सीटों से उठकर यह समझने की कोशिश कर रहे थे कि सड़क पर क्या हो रहा था। जब बस रुकती है तो कई यात्री टूटी हुई खिड़की से कूदकर बाहर भागने लगते हैं।

बस ड्राइवर को भागते देखा गया

एक वीडियो में बस ड्राइवर संजय मोरे को बस के केबिन से दो काले बैग उठाते हुए और फिर बस की बाईं खिड़की से कूदते हुए देखा जा सकता है। वहीं बस का कंडक्टर पीछे के दरवाजे से बाहर कूदता है।

वह कार के नीचे मृत पड़ी थी, लोग हाथ से सोने का कंगन निकाल रहे थे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

वह कार के नीचे मृत पड़ी थी और लोग उसके हाथ से सोने का कंगन निकालने में बिजी थे...इंसानियत को तार-तार कर देने वाली मुंबई की इस घटना से हर कोई स्तब्ध हैं। अब इससे बड़ी शर्मनाक बात और क्या हो सकती है कुर्ला बस हादसे में मारी गई 55 साल की एक महिला की हाथ से कुछ लोग उनका सोने का कंगन निकाल कर गायब हो गए और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हैं। मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाला यह विडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, इस वायरल विडियो के सामने आने पर कुर्ला पुलिस भी हरकत में आ गई और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अज्ञात लोगों के खिलाफ़ चोरी का केस दर्ज कर घटना की गहराई से जांच शुरू कर दी हैं।

पेज 3 भी देखें

वायु प्रदूषण से हर साल 15 लाख लोगों की मौत

▸▸ **पीएम 2.5 का सबसे अधिक वार्षिक स्तर दिल्ली, गाजियाबाद में दिखा**

एजेंसी | नई दिल्ली

एक नए अध्ययन में खुलासा हुआ है कि वर्ष 2009 से 2019 के बीच प्रति वर्ष लगभग 15 लाख लोगों की मौत का संबंध लंबे समय तक पीएम 2.5 प्रदूषण के संपर्क में रहने से है। एक शोध 'द लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं में हरियाणा के अशोका विश्वविद्यालय और नयी दिल्ली के 'सेंटर फॉर क्रॉनिक डिजीज कंट्रोल (सीसीडीसी) के शोधकर्ता शामिल थे।

उन्होंने कहा कि भारत की 1.4 अरब आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जहां पीएम 2.5 का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा बताए गए वार्षिक औसत पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक है। टीम ने यह भी पाया कि भारत की लगभग 82 प्रतिशत या 1.1 अरब आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जहां वार्षिक औसत पीएम 2.5 का स्तर भारतीय राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (40 माइक्रॉन प्रति घन मीटर) द्वारा अनुशंसित स्तर से अधिक है। प्रदूषण 2.5 माइक्रॉन व्यास से छोटे कणों के कारण होता है, जिसमें सूक्ष्म कण पदार्थ या पीएम 2.5 शामिल होते हैं।

कांग्रेस की पहली लिस्ट में 21 नाम

▸▸ **केजरीवाल के खिलाफ लड़ेंगे संदीप दीक्षित**

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने गुरुवार को 21 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया। नई दिल्ली सीट से AAP के मुखिया अरविंद केजरीवाल के खिलाफ संदीप दीक्षित को टिकट दिया गया है। हालांकि AAP ने अब तक केजरीवाल के नाम की घोषणा नहीं की है। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव को बादली से, पूर्व मंत्री हारून यूसुफ को बल्लीमारान और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार को पटपड़गंज से उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद यह लिस्ट जारी की गई। इसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, अंबिका सोनी, सलमान खुर्शीद, टीएस सिंह देव और मधुसूदन मिस्त्री मौजूद थे।

आतंकी फंडिंग में एनआईए की बड़ी कार्रवाई, 19 जगह छापे

▸▸ **जांच एजेंसी के निशाने पर जैश-ए-मोहम्मद और उसके समर्थक**

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी फंडिंग और कट्टरपंथ की जांच के तहत गुरुवार को यूपी, जम्मू-कश्मीर सहित पांच राज्यों में 19 स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई आतंकवाद के नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में चल रहे अभियान का हिस्सा है।

यूपी, जम्मू-कश्मीर समेत पांच राज्यों में अभियान, कई हिरासत में

छापेमारी जम्मू-कश्मीर के बारामूला, रियासी, बडगाम और अनंतनाग जिलों में की गई। अभियान असम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और गुजरात में भी चलाया गया। कार्रवाई का उद्देश्य आतंकी संगठनों को आर्थिक मदद पहुंचाने वाले स्रोतों और उनके समर्थकों को बेनकाब करना बताया गया है। जानकारी के अनुसार झांसी में ऑनलाइन पढ़ाई कराने वाले मुफ्ती खालिद अंसारी नदवी के घर में छापे के बाद उसे हिरासत लिया गया। इसी तरह महाराष्ट्र के अमरावती से एक युवक को आतंकी संगठन से जुड़े होने के संदेह में हिरासत में लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, छापेमारी विशेष रूप से प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और उसके समर्थकों की गतिविधियों पर केंद्रित थी।

वक्फ बोर्ड पर बरसे महाराष्ट्र अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष

डीबीडी संवाददाता | लातूर

हाल ही में महाराष्ट्र के लातूर जिले के 103 किसानों की जमीन को लेकर वक्फ बोर्ड ने नोटिस थमाया कि यह जमीन वक्फ बोर्ड की है। अब इस मामले को लेकर महाराष्ट्र अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष प्यार खान सामने आए। उन्होंने वक्फ बोर्ड को आड़े हाथों लेकर कहा कि लातूर जिले के 103 किसानों की पुश्तैनी जमीन यदि है तो वक्फ बोर्ड उन किसानों को नोटिस कैसे दिया? यदि वक्फ बोर्ड के कोई भी अधिकारी या कोई अन्य लोग गलत एक्टिविटीज में शामिल होंगे तो उन पर कार्रवाई की जाएगी।

वक्फ बोर्ड से मांगी पूरी डिटेल

अल्पसंख्यक विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए वक्फ बोर्ड के पदाधिकारी से डिटेल जानकारी मांगी है। साथ ही यह पूछा है कि किसानों को नोटिस कैसे दिया जा रहा है। महाराष्ट्र अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष प्यार खान ने कहा कि वक्फ बोर्ड के पदाधिकारी ने यदि इस तरीके का काम किया है तो उन पर कार्रवाई किया जाएगा। बता दें कि लातूर जिले में 103 किसानों का वक्फ बोर्ड के साथ भूमि विवाद का मामला चल रहा है। किसानों ने वक्फ बोर्ड पर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी पुश्तैनी जमीन पर वक्फ बोर्ड कब्जा करना चाहता है। हमारी करीबन 300 एकड़ की ये जमीन किसानों की पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है, इस पर किसानों का हक है।

खुदरा महंगाई में तीन माह बाद थोड़ी नरमी, चुनौती अब भी बरकरार

▸▸ **खाने-पीने की चीजें सस्ती हुईं**

▸▸ **अक्टूबर में महंगाई 14 महीने के उच्चतम स्तर पर थी**

नवंबर में रिटेल महंगाई घटकर 5.48% पर आई

एजेंसी | नई दिल्ली

महंगाई के मोर्चे पर थोड़ी राहत मिली है। नवंबर महीने में खुदरा महंगाई घटकर 5.48 प्रतिशत पर आ गई, जो अक्टूबर में 6.21 प्रतिशत के साथ 14 माह के उच्चस्तर पर थी। इस गिरावट की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों खासकर सब्जियों और दालों की कीमतों में नरमी है। सर्दी के मौसम में नई फसल आने का असर भी दिखाई दिया है। हालांकि, यह अब भी आरबीआई के तय दायरे से काफी ऊपर है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा गुरुवार को जारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर घटकर में भी गिरावट आई है। नवंबर में यह 9.04 प्रतिशत पर आ गई, जो अक्टूबर में 10.87 प्रतिशत थी। वहीं, नवंबर 2023 में 8.70 प्रतिशत पर थी। ध्यान रहे कि एनएसओ की निगरानी में 1114 शहरी और 1181 ग्रामीण बाजारों से जुटाए गए आंकड़ों के आधार पर महंगाई के आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2024 में सब्जियों की महंगाई घटकर 29.33 फीसदी पर आ गई है, जो अक्टूबर में 42.18 फीसदी से काफी कम है। इसी तरह दालों की महंगाई भी मासिक आधार पर 7.43 फीसदी से घटकर 5.41 फीसदी फीसदी पर आ गई है। इनके अलावा चीनी व मिष्ठान्न, फलों, अंडे, दूध, मसालों, परिवहन व संचार और व्यक्तिगत देखभाल संबंधी उत्पादों की मुद्रास्फीति में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

इन वस्तुओं के दाम घटे

	नवंबर	अक्टूबर
▸▸ सब्जियां	29 .33	42 .18
▸▸ फल	7 .68	8 .43
▸▸ दालें	5 .41	7 .43
▸▸ मसाले	−7 .43	−7 .01
▸▸ अनाज	6 .88	6 .94
▸▸ दूध, दूग्ध उत्पाद	2 .85	2 .97
▸▸ अंडे	4 .84	4 .87

अगस्त के बाद लगातार वृद्धि

इस वर्ष अगस्त के बाद से लगातार महंगाई दर में बढ़ोतरी देखने को मिल रही थी। अक्टूबर में खुदरा महंगाई 14 महीने के शीर्ष स्तर 6 .21 प्रतिशत पर पहुंची थी। उससे पहले सितंबर में भी 5 .49 प्रतिशत दर्ज की गई थी। इस तरह से देखा जाए तो सितंबर के मुकाबले नवंबर में भी 0 .01 प्रतिशत की कमी आई है। जबकि बीते वर्ष की समान अवधि (नवंबर 2023) में महंगाई दर 5 .55 प्रतिशत था। उस हिसाब से भी बीते वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 0 .07 फीसदी कम है।

चुनौती अब भी बरकरार

नवंबर में गिरावट के बावजूद लगातार तीन महीनों से मुद्रास्फीति की दर पांच फीसदी से ऊपर बनी हुई है, जो भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित अनुमान 4 .8 फीसदी से अधिक बनी हुई है। जानकारों का कहना है कि इस नवंबर की गिरावट को बड़ी राहत के तौर पर नहीं देखा जा सकता है। क्योंकि आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को पिछले सप्ताह 4 .5 प्रतिशत से बढ़ाकर 4 .8 प्रतिशत कर दिया था। साथ ही खाद्य कीमतों पर दबाव से दिसंबर तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति के ऊंचे स्तर पर बने रहने की आशंका भी जाहिर की थी।

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

भिवंडी के विभिन्न पुलिस थानों में मोबाइल चोरी के 5 मामले दर्ज

बिना नंबरप्लेट वाहनों का उपयोग चोरों के लिए बना सहायक

भिवंडी। भिवंडी शहर में बिना नंबरप्लेट वाले वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो चोरों के लिए मददगार साबित हो रही है। इन गाड़ियों की पहचान मुश्किल होने के कारण पुलिस के लिए चोरों तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। भिवंडी परिमंडल 2 के अंतर्गत विभिन्न पुलिस थानों में एक ही दिन में मोबाइल चोरी के 5 मामले दर्ज किए गए। इन घटनाओं में चोरों ने बिना नंबरप्लेट वाहनों का इस्तेमाल करते हुए करीब 50 हजार रुपये कीमत के 5 मोबाइल फोन चुरा लिए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शांतिनगर पुलिस थाना

शाहीन होटल के पास फातमानगर निवासी मोहम्मद फारूक इमामबक्श हाश्मी (35) का 10 हजार रुपये का विवो कंपनी का मोबाइल चोरी हुआ। घटना नागांव रोड स्थित नागौरी होटल के पास हुई, जब वह मोबाइल पर बात कर रहे थे। नीले रंग की स्कूटी पर सवार दो चोरों ने मोबाइल छीनकर फरार हो गए। स्कूटी पर नंबरप्लेट न होने के कारण पीड़ित केवल आरोपियों का हुलिया ही देख सका। उनकी उम्र लगभग 20-25 साल बताई गई है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 309(4), 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है।

निजामपुरा पुलिस थाना

छत्रपति शिवाजी महाराज चौक और हमजा होटल के पास से एक महिला और एक पुरुष का मोबाइल चोरी हुआ। चोरों ने रियलमी और पोको एम6 प्रो मॉडल के कुल 17 हजार रुपये कीमत के मोबाइल चुराए।

शास्त्रीनगर क्षेत्र में एक महिला का 12 हजार रुपये का रियलमी कंपनी का मोबाइल सुबह 11 बजे हनुमान टेकड़ी के पास चोरी हो गया। इसी प्रकार गैबीनगर निवासी जुल्फेकार अहमद का 10 हजार रुपये का विवो कंपनी का मोबाइल कोटरगेट मस्जिद के पास से चुराया गया। इन सभी घटनाओं में पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामले दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश तेज कर दी है।

घरफोड़ी चोरी के चार मामलों का खुलासा

भिवंडी। भिवंडी क्राइम ब्रांच ने चोरी घरफोड़ी मामलों में दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार कर कुल 3 लाख 63 हजार 489 मूल का सामान बरामद करते हुए भिवंडी के विभिन्न पुलिस स्टेशन में दर्ज चोरी के चार मामलों का पर्दाफाश किया है।

पुलिस के अनुसार नारपोली पुलिस स्टेशन में चोरी के दर्ज मामलों की जांच कर रही भिवंडी क्राइम ब्रांच यूनिट दो के पुलिस शिपाही उमेश ठाकुर को दो संदिग्ध युवकों की गुप्त सूचना मिली। वरिष्ट पुलिस निरीक्षक के मार्गदर्शन में पुलिस ने भंगार का व्यवसाय करने वाले क्रांतिनगर, खापोली जिला रायगढ़ निवासी दुर्गेश उर्फ लाला श्रीराम निषाद (22) और नवनाथ कालोनी शिलफाटा निवासी महाजन रामसमूज यादव (38) को गिरफ्तार कर जब उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने नारपोली पुलिस स्टेशन के दो, निजामपुरा के एक और कोनगांव पुलिस स्टेशन के एक, कुल चार चोरी घरफोड़ी के मामलों का खुलासा किया है।

कुत्ते पर क्रूरता के मामले में दो लोगों पर केस दर्ज

भिवंडी। मूक जानवरों पर अत्याचार रोकने के लिए कानून लागू होने के बावजूद, ऐसी घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। भिवंडी के काल्हेर इलाके में एक कुत्ते पर क्रूरता करने वाले दो लोगों के खिलाफ नारपोली पुलिस ने आईपीसी की धारा 325 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(अ) के तहत मामला दर्ज किया है।

पूरा मामला समझें

घटना रविवार दोपहर करीब 1 बजे की है। काल्हेर स्थित नाना नानी पार्क के पास, चंद्रिका अपार्टमेंट के सामने एक कुत्ता बैठा हुआ था। आरोप है कि नितेश बेरीडिया और भरत नामक दो युवकों ने पहले कुत्ते को पत्थर मारा, जिससे वह डरकर अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर भाग गया। जब कुत्ता नीचे उतरा, तो दोनों ने उसे लकड़ी के डंडे से पीटना शुरू कर दिया। यह दृश्य देखकर अपार्टमेंट में रहने वाली एक युवती ने उन्हें ऐसा करने से मना किया, लेकिन आरोपी नहीं रुके। जब युवती ने इस घटना का वीडियो बनाना शुरू किया, तो आरोपियों ने उसे गाली दी और वहां से भाग गए।

युवती ने नारपोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस उपनिरीक्षक संतोष शिंदे इस मामले की जांच कर रहे हैं और आरोपियों की तलाश जारी है।

एनआईए ने संदिग्ध युवक को किया गिरफ्तार

भिवंडी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने खाड़ी देशों से जुड़े आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता के शक में मालेगांव निवासी कामरान अंसारी (45) को गिरफ्तार किया है। कामरान पिछले कई वर्षों से भिवंडी के खोनी गांव के पास स्थित डोंगरकर ट्रस्ट की इमारत में अपने परिवार के साथ रह रहा था। पड़ोसियों के अनुसार, कामरान अक्सर मुस्लिम धार्मिक जमातों में जाता रहता था, लेकिन वह क्या काम करता था, इसकी जानकारी किसी को नहीं थी। एनआईए की टीम ने सुबह के समय कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया।

गिरफ्तारी से निजामपुर पुलिस स्टेशन के अधिकारी भी अनभिज्ञ

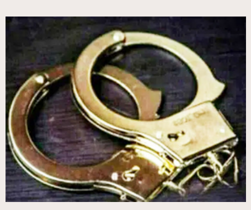

कामरान की गिरफ्तारी के बारे में निजामपुर पुलिस स्टेशन के अधिकारी भी अनभिज्ञ बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि कामरान पर आतंकवादी घटनाओं में शामिल होने का शक है। इससे पहले एनआईए ने पड़घा, बोरीवली और पद्मा नगर में छापेमारी कर आतंकवादी गतिविधियों में शामिल अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया था।

सालभर बाद मध्यप्रदेश का लड़का लौटा अपने घर

हाथ के उंगली के निशान से मिला सुराग

ठाणे मनोरोग अस्पताल में आधार कार्ड जांच से हुई पहचान

ठाणे। मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों के लिए घर लौट पाना अक्सर मुश्किल होता है, लेकिन ठाणे क्षेत्रीय मनोरोग अस्पताल ने एक असाधारण प्रयास कर मध्यप्रदेश के एक लापता लड़के को उसके परिवार से मिलाया। सलीम खान (बदला हुआ नाम) नामक नाबालिग लड़के को अगस्त 2022 में कासरवडवली पुलिस और बाल कल्याण समिति ने ठाणे मनोरोग अस्पताल में भर्ती कराया था। लड़का मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण यह नहीं बता सका कि वह कहां से आया है।

पहचान का कठिन सफर

अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. नेताजी मुलिक के नेतृत्व में, लड़के को मानसिक उपचार देने और उसके परिवार को खोजने के प्रयास किए गए। शुरुआत में, सलीम खुद को मुंब्रा का निवासी बताता था, जिसके आधार पर अस्पताल ने मुंब्रा में जांच की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

जुलाई 2024 में अस्पताल ने कापूरबावड़ी आधार कार्ड केंद्र की मदद से एक विशेष अभियान चलाया। उंगलियों के निशान की जांच से सलीम का आधार कार्ड मिला और उसके घर का पता उज्जैन, मध्यप्रदेश में चला। इसके बाद अस्पताल ने उज्जैन और बंदनगर पुलिस से संपर्क किया। अस्पताल में सलीम की काउंसलिंग, ग्रुप थेरेपी, और दवाओं से उसकी मानसिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हुआ। मनोचिकित्सक डॉ. दिवेकर और टीम के सदस्यों, सुरेश भिलारे, शंभु साह, शेखर पडवाल, और चंद्रदेव यादव ने लगातार प्रयास कर उसे बेहतर बनाने में मदद की।

आधार कार्ड के जरिए मिले पते पर संपर्क करने के बाद, अस्पताल ने सलीम के परिवार से वीडियो कॉल पर बातचीत करवाई। परिवार ने सलीम को वापस पाने की कोशिशें जारी रखी थीं और जब वह उसे देखने ठाणे पहुंचे, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सलीम अब अपने घर लौट चुका है। अस्पताल की समाज कल्याण टीम उसके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है।

स्वामी गम्भीरानन्द आश्रम द्वारा गीता जयंती पर निकाली गई कलश और रथयात्रा

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

स्वामी श्री गम्भीरानन्द आश्रम ने गीता जयंती के अवसर पर बारादेवी मंदिर से कलश और रथ यात्रा आयोजित की। इस यात्रा में 250 से अधिक महिलाएं सिर पर कलश रखकर शामिल हुईं। यात्रा का आयोजन वरालादेवी मंदिर में ब्रह्मचारी प्रेमस्वरूप चैतन्यजी महाराज और स्वामी अनुराग चैतन्यजी महाराज की उपस्थिति में हुआ, जहां पं. राजेश झा द्वारा कलश की पूजा की गई। यह यात्रा साढ़े छह बजे मंदिर से शुरू होकर कामतघर और ताड़ाली होते हुए गंभीरानन्द आश्रम पहुंची। रथ यात्रा का स्वागत विभिन्न स्थानों पर पुष्प अर्पण से किया गया। पूर्व नगरसेवक

संतोष शेट्टी ने यात्रा में शामिल लोगों के लिए पानी की व्यवस्था की, वहीं हनुमान चौधरी ने कामतघर के हनुमान नगर में रथयात्रा का स्वागत किया और श्रद्धालुओं को जलपान कराया। रथ यात्रा के दौरान आश्रम भजन मंडल और उड़िया भजन मंडली ने भजन प्रस्तुत किए। चंदन बाग के पास आरबी पवार स्कूल के विद्यार्थियों ने लेजिम प्रदर्शन किया।

सुरक्षा की बेहतरीन व्यवस्था

पुलिस उपायुक्त डॉ. मोहन दहीकर ने यात्रा के दौरान सुरक्षा की बेहतरीन व्यवस्था की, जिसमें भिवंडी शहर पुलिस, नारपोली पुलिस और कोनगांव पुलिस के कर्मियों का सहयोग रहा।

18 दिवसीय गीता प्रवचन, 18 कुंडी गीता हवनात्मक यज्ञ और संत सम्मेलन का आयोजन

इस कार्यक्रम के तहत 20वें श्रीमद्भगवद्गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में 18 दिवसीय गीता प्रवचन, 18 कुंडी गीता हवनात्मक यज्ञ और संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। ब्रह्मचारी प्रेमस्वरूप चैतन्यजी महाराज ने बताया कि यह आयोजन गंभीरानन्द सरस्वतीजी महाराज की देखरेख में हो रहा है। 27 नवंबर 2024 से शुरू होकर यह आयोजन 14 दिसंबर 2024 को समाप्त होगा। इस दौरान गीता ज्ञानयज्ञ और संत सम्मेलन में काशी, वृंदावन, हरिद्वार, ऋषिकेश और मुंबई जैसे पवित्र स्थानों से संत, विद्वान और महापुरुषों को आमंत्रित किया गया है।

10 से 13 जनवरी तक ग्यारहवें संस्कृति कला महोत्सव का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

उपवन तालाब परिसर में 10 जनवरी से 13 जनवरी तक ग्यारहवें संस्कृति कला महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का नेतृत्व संस्कृति युवा प्रतिष्ठान के संस्थापक व अध्यक्ष विधायक प्रताप सरनाईक और संपूर्ण कला महोत्सव समिति कर रहे हैं। उन्होंने कला प्रेमियों को इस भव्य वार्षिक उत्सव में भाग लेने का निमंत्रण दिया है।

स्थान और उद्घाटन

यह कला महोत्सव उपवन तालाब परिसर के लगभग 15 एकड़ क्षेत्र में फैला होगा। इस परिसर का मुख्य आकर्षण ₹बनारस घाट₹ है, जो 3000 से अधिक लोगों को समायोजित करने की क्षमता रखता है। महोत्सव का उद्घाटन 10 जनवरी को शाम 5:30 बजे डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे करेंगे। इस अवसर पर दो हजार से अधिक स्कूली छात्र उपस्थित रहेंगे।

प्रमुख कार्यक्रम और प्रस्तुतियां

चार दिवसीय इस सांस्कृतिक महोत्सव में कई प्रसिद्ध कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य व्यक्ति, और लगभग छह लाख दर्शक शामिल होंगे। 10 जनवरी की शाम को उद्घाटन के बाद पद्मश्री शुभा मुद्गल शास्त्रीय गायन प्रस्तुत करेंगी। 11 जनवरी की सुबह को विदुषी आरती अंकलकर-टिकेकर तरंग रंगमंच₹ पर अपने मधुर गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी। बॉलीवुड गायक अभिजीत भट्टाचार्य और पद्मश्री उस्ताद शाहिद परवेज (सितार) प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा, सरोद वादक पंडित बृज नारायण और गायिका केतकी माटेगांवकर भी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। 12 जनवरी की सुबह को प्रसिद्ध गायक पंडित रितेश रजनीश मिश्रा का शास्त्रीय गायन होगा। उसी दिन गायिका संजू राठौड़ अपनी प्रस्तुति देंगी, और युवा कलाकार ₹तरंग मंच₹ पर वाद्ययंत्र, गायन और नृत्य का संयोजन पेश करेंगे। राधिका सूद-नाईक सूफी संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगी, और पखावज वादक पंडित भवानी शंकर को पंचनाद कार्यक्रम के माध्यम से सम्मानित किया जाएगा।

पूर्व आदिवासी विकास मंत्री विष्णु सावरा की चौथी पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन

पालघर। महाराष्ट्र राज्य के पूर्व आदिवासी विकास मंत्री और पालघर जिले के संरक्षक मंत्री स्वर्गीय विष्णुजी सावरा की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर जव्हार के पतंगशाह कुटीर अस्पताल में रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में जव्हार शहर और तालुका के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ भारत अभियान को ध्यान में रखते हुए कई युवा रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, जिससे जरूरतमंद मरीजों को मदद मिलेगी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य रक्तदान के महत्व पर जागरूकता फैलाना और अस्पतालों में रक्त की कमी को पूरा करना था। रक्तदान को ₹सबसे बड़ा दान₹ बताते हुए इसे कई लोगों की जान बचाने वाला एक महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य बताया गया।

इनकी रही उपस्थिति

शिविर में भाजपा जिला अध्यक्ष भरत भाई राजपूत, सांसद डॉ. हेमंत सावरा, कृषि सभापति संदीप पावड़े, हॉस्पिटल संस्थापक महाले सर, जव्हार अध्यक्ष विजया लहरे, जव्हार मंडल अध्यक्ष कुणाल उदावंत, विक्रमगढ़ मंडल अध्यक्ष दीपक पावड़े, मोखाड़ा मंडल अध्यक्ष संतोष चोथे, जिला सचिव विट्ठल चोथे, उपाध्यक्ष दिलीप पदवी, प्रचार प्रमुख पुंडलिक भानुशाली, उमेश येलमामे, उमाकांत सपकाले, विलास चव्हाण, सुधाकर गावित, कमलाकर भोईर और रवि भडांगे सहित कई गणमान्य व्यक्ति और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नासिक सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 के आयोजन की प्राथमिक बैठक

डीबीडी संवाददाता | नासिक

नासिक जिले के विभागीय आयुक्त और मंडल रेलवे प्रबंधक भुसावल की उपस्थिति में, राज्य सरकार के अधिकारी तथा रेलवे विभाग के संबंधित शाखा अधिकारियों के साथ 12 दिसंबर 2024 को नासिक रोड रेलवे स्टेशन पर सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 के आयोजन की तैयारी को लेकर एक महत्वपूर्ण प्राथमिक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कुंभ मेला आयोजन के

संदर्भ में विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई, उनमें रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण, यात्रियों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त उपाय, तथा मेला क्षेत्र तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाने की योजनाएं प्रमुख थीं।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शरद पवार को जन्मदिन पर बधाई दी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार को उनके 84वें जन्मदिन पर बधाई दी। शिंदे ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के वरिष्ठ राजनेता, पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री शरद पवार को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। शिंदे ने शरद पवार के स्वस्थ्य जीवन और दीर्घायु की भी कामना की। राकांपा (एसपी) प्रमुख

शरद पवार बृहस्पतिवार को 84 साल के हो गये। उन्होंने दिल्ली में अपने भतीजे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत परिवार के सदस्यों एवं शुभेच्छुओं के साथ अपना जन्मदिन मनाया। अजित पवार और शरद पवार के राजनीतिक रास्ते अलग अलग हो गये हैं।

रत्नागिरी में JSW प्लांट के टैंक से निकला जहरीला धुआं

डीबीडी संवाददाता | रत्नागिरी

महाराष्ट्र के तटीय रत्नागिरी जिले में जेएसडब्ल्यू एनर्जी के थर्मल पावर प्लांट में स्टोरेज टैंक से निकलने वाले धुएं के संपर्क में आने से 30 से अधिक स्कूली छात्र प्रभावित हुए। ये जानकारी पुलिस ने गुरुवार को साझा की। हालांकि, इस मामले में गुरुवार शाम को एक बयान में जेएसडब्ल्यू एनर्जी की तरफ से कहा कि, रत्नागिरी में उसके थर्मल प्लांट में कोई गैस स्टोरेज सुविधा नहीं है और मीडिया में आई खबरों के अनुसार वह इस घटना में शामिल नहीं है।

30 से अधिक छात्र बीमार; कंपनी का साफ इनकार

छात्रों ने की थी आंखों में जलन की शिकायत

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी छात्र जयगढ़ विद्या मंदिर स्कूल के हैं, जो प्लांट के पास है। पुलिस ने बताया कि स्कूल में मौजूद 250 छात्रों में से 30 से अधिक ने टैंक की सफाई प्रक्रिया से निकलने वाले धुएं के संपर्क में आने के बाद आंखों में जलन की शिकायत की। पुलिस ने बताया कि उनमें से कुछ को पास के अस्पताल ले जाया गया।

धुएं एथिल मरकैप्टन से थे- पुलिस

पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये धुएं एथिल मरकैप्टन से थे, जो एक रंगहीन, ज्वलनशील और अत्यधिक गंध वाला तरल है जिसका उपयोग प्राकृतिक गैस के लिए गंधक के रूप में और प्लास्टिक, कीटनाशकों और एंटीऑक्सीडेंट के लिए शुरुआती सामग्री के रूप में किया जाता है। वहीं जेएसडब्ल्यू एनर्जी के बयान में कहा गया है, 'जेएसडब्ल्यू एनर्जी में हम अपने कर्मचारियों, समुदाय और पर्यावरण की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता देते हैं। हम कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हैं और अपने संचालन की लगातार निगरानी करते हैं।

' टीपू सुल्तान जयंती रैली पर पूरी तरह बैन नहीं लगाया जा सकता'

पुणे पुलिस को बॉम्बे हाईकोर्ट की फटकार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को पुणे पुलिस को फटकार लगाते हुए, कहा कि टीपू सुल्तान जयंती के लिए रैली पर पूरी तरह प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। इस मामले में सुनवाई करते हुए दो जजों की बेंच (न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और शिवकुमार दिघे) ने कहा कि पुलिस रैली का रूट तय कर सकती है, लेकिन रैली करने से मना नहीं कर सकती।महाराष्ट्र सरकार ने अदालत में कहा कि टीपू सुल्तान की जयंती मनाने पर कोई पाबंदी नहीं है। हालांकि, कुछ समुदायों के विरोध के चलते कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका में पुणे पुलिस ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) को रैली की अनुमति नहीं दी।

एडिशनल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ने कोर्ट को बताया कि बीते साल भी इस मामले में बवाल हुआ था और पुलिस ने कई एफआईआर दर्ज की थीं। इस साल भी पुलिस ने बारामती इलाके में रैली के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया और सुझाव दिया कि रैली सिर्फ निजी स्थान पर आयोजित की जाए।

निजी जगह क्यों?

AIMIM के वकील ने दलील दी कि संविधान में रानी लक्ष्मीबाई और टीपू सुल्तान जैसे ऐतिहासिक नायकों की तस्वीरें हैं। उन्होंने पूछा, 'तो फिर बारामती में रैली क्यों नहीं हो सकती?' इस पर हाईकोर्ट ने कहा, 'आप रूट तय करें, शर्तें लगाएं, लेकिन रैली पर पूरी तरह प्रतिबंध क्यों?' न्यायमूर्ति डेरे ने पुणे ग्रामीण के एसपी पंकज देशमुख को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होकर स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया। देशमुख ने कहा कि बीते साल की घटनाओं और क्रॉस एफआईआर को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। कोर्ट ने कहा, 'अगर कोई आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल होता है या कोई अपराध होता है, तो आप कानूनी कार्रवाई करें। लेकिन रैली करने से रोकना सही नहीं है।

रूट तय करने पर सहमति

देशमुख ने कहा कि वे शुक्रवार या शनिवार को AIMIM के सदस्यों से मुलाकात करेंगे और रैली का रूट तय करेंगे। कोर्ट ने कहा कि रैली 24 दिसंबर को होनी चाहिए और इस पर 17 दिसंबर को फिर सुनवाई होगी। गौरतलब है कि बीते साल विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कुछ सदस्यों ने इस रैली का विरोध किया था, जिसके चलते बारामती पुलिस ने इस साल भी अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

नवाब मलिक के खिलाफ अत्याचार मामले को 'तार्किक निष्कर्ष' पर पहुंचाएं : कोर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को पुलिस को आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े की शिकायत पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता नवाब मलिक के खिलाफ दर्ज अत्याचार अधिनियम मामले की जांच पूरी करने और इसे 'तार्किक निष्कर्ष' तक ले जाने का निर्देश दिया। मुंबई पुलिस ने न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति एस जी डिगे की खंडपीठ को आश्वासन दिया कि 2022 के मामले की जांच चार सप्ताह के भीतर पूरी कर ली जाएगी।

16 जनवरी 2025 को अगली सुनवाई

पुलिस ने पीठ को यह भी बताया कि मामले में दो (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(1) क्यू और आर) और धाराएं शामिल की गई हैं। ये धाराएं किसी लोक सेवक को चोट पहुंचाने या परेशान करने तथा अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के सदस्य को जानबूझकर अपमानित करने या डराने के लिए झूठी जानकारी देने से संबंधित हैं। पीठ ने पुलिस के आश्वासन को स्वीकार कर लिया और मामले की अगली सुनवाई 16 जनवरी, 2025 को तय कर दी।

कुर्ला बस हादसा

घायलों का सामान चुरा रहा शख्स कैमरे में कैद

आरोपी पर चोरी का केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कुर्ला पुलिस ने गुरुवार को बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने मुंबई में बेस्ट बस हादसे में घायल हुई एक महिला की मदद करने के बहाने उसके सोने के आभूषण कथित तौर पर चुरा लिए। वहीं एक वायरल वीडियो में एक व्यक्ति दूसरों से कह रहा है कि वह महिला के आभूषण सुरक्षित रखने के लिए ले जा रहा है और उसके रिश्तेदारों को इसकी सूचना देगा।

परिवार की शिकायत के आधार पर केस दर्ज

पुलिस ने बताया कि उसके परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने उसके खिलाफ कीमती सामान की चोरी का मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, फातिमा कनीज अंसारी उन सात लोगों में शामिल हैं, जिनकी सोमवार को कुर्ला इलाके में बेस्ट बस की चपेट में आने से मौत हो गई।

मदद के बहाने शख्स ने चुराए कीमती सामान

एक अधिकारी ने बताया कि फातिमा अंसारी एक अस्पताल में अटेंडेंट के तौर पर काम करती थी, जब वह एसजी बर्वे मार्ग पर एक इमारत के बाहर इंतजार कर रही थी, तभी तेज रफ्तार बेस्ट बस ने उसे टक्कर मार दी। अधिकारी ने बताया कि वह एक कार के नीचे फंसी हुई मिली, अज्ञात व्यक्ति ने उसकी मदद करने का बहाना करते हुए उसकी सोने की चूड़ियां और मोबाइल फोन चुरा लिया।

सोने की चूड़ियां चुराई, मोबाइल फोन लौटाया: परिजन

इस मामले में मृतका के रिश्तेदारों ने दावा किया कि उसकी मौत के बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने उसकी चूड़ियां चुरा लीं, जबकि उसका मोबाइल फोन वापस कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने गुरुवार को भारतीय न्याय संहिता की धारा 303 (चोरी) और 315 (मृत्यु के समय मृतक के पास मौजूद संपत्ति का बेईमानी से दुरुपयोग) के तहत अज्ञात अपराधी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

'मां को बच्ची से न मिलने देना क्रूरता और उत्पीड़न'

कोर्ट ने महिला को सौंपी बेटी की कस्टडी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि अगर किसी मां को उसके बच्चे से मिलने से रोका जाता है, तो इसे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत क्रूरता और उत्पीड़न माना जाएगा। कोर्ट ने जालना जिले की एक महिला के ससुरालवालों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार किया।

मां के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ेगा असर: हाईकोर्ट

हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने बुधवार को अपने आदेश में कहा कि महिला को उसकी चार साल की बेटी से दूर रखा जा रहा है, जो कि निचली अदालत के आदेश के खिलाफ है। जस्टिस विभा कंकरणवाडी और जस्टिस रोहित जोशी की पीठ ने कहा, चार साल की बच्ची को उसकी मां से दूर रखना मानसिक उत्पीड़न और क्रूरता के समान है, क्योंकि इससे मां के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ेगा। अदालत ने यह भी कहा कि इस प्रकार का व्यवहार आईपीसी की धारा 498-ए के मुताबिक क्रूरता के तहत आता है।

ससुरालवालों ने की थी प्राथमिकी रद्द करने की मांग

कोर्ट ने यह भी बताया कि लगातार उत्पीड़न हो रहा है और इस तरह से अपराध जारी है। इस वजह से कोर्ट ने यह कहते हुए प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार कर दिया कि यह मामला कोर्ट के दखल के लिए उपयुक्त नहीं है। महिला के ससुर, सास और बहन ने 2022 में जालना जिले में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग की थी। महिला ने आरोप लगाया कि उसने 2019 में शादी की थी और 2020 में एक बेटी को जन्म दिया था। लेकिन उसके पति और ससुरालवाले उससे पैसों की मांग करने लगे और शारीरिक व मानसिक रूप से उसे परेशान करने लगे।

हाईकोर्ट ने महिला को सौंपी बच्ची की हिरासत

महिला का कहना था कि मई 2022 में उसे ससुराल से बाहर निकाल दिया गया और उसकी बेटी को भी साथ जाने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद महिला ने एक मजिस्ट्रेट कोर्ट में अपनी बेटी की हिरासत के लिए आवेदन किया। 2023 में कोर्ट ने महिला के पक्ष में आदेश दिया कि बच्ची की हिरासत मां को दी जाए। लेकिन यह आदेश अभी तक लागू नहीं हुआ और बच्ची पिता के पास ही रही। हालांकि, कोर्ट ने इस बात पर भी गौर किया कि बच्ची पिता के पास थी।

राज्यपाल की उपस्थिति में मनाया गया गीता जयंती महोत्सव

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने कांदिवली में आयोजित गीता जयंती महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य भगवद्गीता के कालजयी संदेश और वर्तमान प्रासंगिकता को उजागर करना था। इस कार्यक्रम का आयोजन पोइसर जिमखाना और इस्कॉन जुहू द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

इनकी रही उपस्थित

इस अवसर पर कई प्रमुख नेता और हस्तियां उपस्थित थीं, जिनमें विधायक आशीष शेलार, विधायक मनीषा चौधरी, विधायक संजय उपाध्याय, पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, भगवत गीता शिक्षा अभियान समिति के अध्यक्ष डॉ. योगेश दुबे, इस्कॉन जूहू के अध्यक्ष ब्रज हरि दास, और पोइसर जिमखाना के अध्यक्ष मुकेश भंडारी शामिल थे। इसके अतिरिक्त, टेक्सास के अमेरिकी अटॉर्नी जनरल कान टैक्सॉन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

राज्यपाल का संबोधन

राज्यपाल राधाकृष्णन ने अपने भाषण में भगवद्गीता को भारत की सर्वोत्तम ज्ञानग्रंथ बताया और इसे जीवन जीने की मार्गदर्शक पुस्तक के रूप में सराहा। उन्होंने कहा कि गीता सिखाती है कि हमें बिना परिणाम की चिंता किए अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए, क्योंकि ईमानदार प्रयास से सफलता अपने आप मिलती है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे उन्नत देशों से आग्रह किया कि वे इन मूलभूत आवश्यकताओं को सभी जरूरतमंदों तक पहुंचाने की पहल करें और अन्य देशों के लिए उदाहरण बनें। राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि यदि विश्व के सभी उन्नत देश जरूरतमंदों की सहायता में जुटें, तो एक बेहतर समाज का निर्माण होगा और मनुष्यों का प्रसन्नता सूचकांक बढ़ेगा।

क्रिसमस और शीतकालीन छुट्टियों के दौरान मध्य रेल चलाएगी 48 विशेष ट्रेन सेवाएं

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने और यात्रा को सुगम बनाने के लिए मुंबई-करमाली/कोचुवेली और पुणे-करमाली के बीच 48 विशेष ट्रेन सेवाएं चलाने की घोषणा की है। यह सेवाएं क्रिसमस और शीतकालीन छुट्टियों के दौरान उपलब्ध होंगी।

पुणे-करमाली-पुणे साप्ताहिक स्पेशल

01407 स्पेशल 25.12.2024 से 08.1.2025 तक प्रत्येक बुधवार को 05.10 बजे पुणे से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 20.25 बजे करमाली पहुंचेगी। 01408 स्पेशल 25.12.2024 से 08.1.2025 तक प्रत्येक बुधवार को 22.20 बजे करमाली से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे पुणे पहुंचेगी। इनका स्टॉप चिंचवड़, तालेगांव, लोनावला, कल्याण, पनवेल, पेन, रोहा, माणगांव, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, कंकावली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड और थिविम है।

सीएसएमटी-करमाली-सीएसएमटी दैनिक स्पेशल

01151 स्पेशल 20.12.2024 से 05.01.2025 तक प्रतिदिन 00.20 बजे मुंबई सीएसएमटी से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 13.30 बजे करमाली पहुंचेगी।
01152 स्पेशल 20.12.2024 से 05.01.2025 तक प्रतिदिन 14.15 बजे करमाली से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03.45 बजे मुंबई सीएसएमटी पहुंचेगी।
ये ट्रेनें दादर, ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, कंकावली, कुडाल और थिविम रुकेंगी।

एलटीटी-कोचुवेली-एलटीटी साप्ताहिक स्पेशल

01463 स्पेशल 19.12.2024 से 09.01.2025 तक प्रत्येक गुरुवार को 16.00 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22.45 बजे कोचुवेली पहुंचेगी। 01464 स्पेशल 21.12.2024 से 11.01.2025 तक प्रत्येक शनिवार को 16.20 बजे कोचुवेली से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 00.45 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। इनका स्टॉप ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, कंकावली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम, करमाली, मडगांव जंक्शन, कारवार, गोकर्ण रोड, कुमता, मुर्देश्वर, भटकल, मुकाम्बिका रोड बैंदुर, कुंडापुरा, उडुपी, सुरतकल, थोकुर, मंगलुरु जंक्शन, कासरगोड, कन्नूर, कालीकट, तिरुर, शोरानूर, त्रिशूर, एर्नाकुलम टाउन, कोट्टायम, तिरुवल्ला, चेंगन्नूर, मवेलिककारा, कायमकुलम और कोल्लम है।

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना संख्या : पीए-मेक-सीएएमसी-कॉम्प्रेसर-24 दि.11/12/2024

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, पुणे निम्न कार्य के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित करता है। पुणे मंडल के एअर ड्रायर संलग्न स्क्रू टाईप एअर कॉम्प्रेसर के स्पेयर पार्ट्स के साथ व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध। **लागत**: ₹1,26,08,415.80. **ईएमडी** : ₹ 2,13,100/-. **समापन अवधि**: 36 महीने। **अंतिम तिथि**: 06/01/2025 दोपहर 12.00 बजे। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं। Sai/31

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे-अहमदाबाद

सिग्नल एवं टेलिकम्युनिकेशन कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए कार्यरत **उप मुख्य संकेत व दूरसंचार अभियंता, निर्माण, पश्चिम रेलवे, तृतिय तल, "A" विंग, निर्माण भवन, मं.रे.प्र. कार्यालय के पास, जी.सी.एस. अस्पताल के सामने, अहमदाबाद-382345** निम्नानुसार कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते है : **(1) ई-निविदा सूचना सं. डीवाय.सीएसटीई/सी/एडीआई/2024-25/107 (2) कार्य का नाम:** पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मण्डल पर भुज-नलिया अनुभाग के बीच गेज परीवर्तन कार्य के सम्बन्ध में न्यु भुज, सुखपुर, देशलपुर, सणोसरा, मोथाला, कोठारा, नलिया एवं नलिया कैंट (8 स्टेशन) अंतर्गत आउटडोर सिग्नलींग कार्य एवं मल्टी सेक्शन डिज़ीटल एक्सल काउन्टर (MSDAC) की आपूर्ति, संस्थापन, परिक्षण और कमीशनींग करने का कार्य। **(3) कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 13,49,11,789/- (रु. तेरह करोड उनचास लाख ग्यारह हजार सात सो नवासी केवल) **(4) बीड सुरक्षा:** ₹ 8,24,600/- (रु. आठ लाख चौबीस हजार छ:सो केवल), **(5) निविदा जमा करने एवं निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** दिनांक 30/12/2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा जमा की जायेगी एवं दिनांक 30/12/2024 को 15:30 बजे ई-निविदा खोली जायेगी **(6) ई-तकनिकी बीड खुलने की तारीख और समय:** दिनांक 30/12/2024 को 15:30 बजे **(7) ई-कॉमर्शियल बीड खुलने की तारीख और समय:** तकनिकी बीड के मूल्यांकन के बाद तारीख की सूचना दी जायेगी **(8) वेबसाईट विवरण एवं नोटीस बोर्ड जहाँ निविदा का विवरण देख सकते है एवं कार्यालय का पता: वेबसाईट: www.ireps.gov.in** उप मुख्य संकेत व दूरसंचार अभियंता (निर्माण) का कार्यालय, पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद (गुजरात-382345), **(9) कार्य पूर्ण करने की समयावधि :** स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से बारह (12) माह।

CPM-085

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/CO/OW/2024/ 65190 सहकार कक्ष, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई
जा.क्र. झोपुप्रा/सनिस/कार्यासन-1/टे.सी.4/सन 2024 दिनांक : 12/12/2024

-: सर्वसाधारण सभेची नोटीस :-

मालाड शिवाजी नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित, न. भू.क्र. २९१ (पैकी), शिवाजी नगर, कुरार व्हिलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई- ४०० ०९७ या संस्थेची मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, झो.पु.प्रा. यांचेकडील दिनांक ०९.१०.२०२३ रोजीचे महाराष्ट्र झोपडपट्टी (सु.नि.व पु.) अधिनियम १९७१ चे कलम १३ (२) आदेशान्वये पुनर्वसन योजनेचे विकासक मेसर्स रॉयल रियल्टर्स यांची नियुक्ती रद्द करण्यांत आलेली आहे. त्याअनुषंगाने सदरहु संस्थेने योजनेसाठी नवीन विकासकाची नियुक्ती प्राधिकरणाकडील प्राधिकृत अधिकारी यांच्या उपस्थितीत करणेबाबत विनंती केलेली होती. त्याअनुषंगाने या कार्यालयाकडुन दिनांक ३०.०९.२०२४ रोजी मा. सचिव, झो.पु.प्रा. व मा. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, झो.पु.प्रा. यांना टिप्पणी सादर करण्यांत आलेली असून सदर टिप्पणीवर दिलेल्या मंजूरीस अनुसरुन प्राधिकरणाकडील परिपत्रक क्र. १६९ मधील तरतुदीनुसार सदरहू संस्थेच्या पुनर्वसन योजनेसाठी नविन विकासक नियुक्त करणेसाठी निम्न स्वाक्षरीकार यांची मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था (पूर्व व पश्चिम उपनगरे), झो.पु.प्रा., बृहन्मुंबई यांचेकडील जा.क्र. झोपुप्रा/सनिस/कार्यासन-१/टे. सी. ४/सन २०२४/६५०९७, दिनांक १२.१२.२०२४ रोजीच्या आदेशान्वये प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती करण्यांत आलेली आहे.

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणाचे परिपत्रक क्र. १६९, दिनांक ३१.१२.२०१५ मधील तरतुदीस अनुसरुन सर्वसाधारण सभा **सोमवार, दिनांक ०६/०१/२०२५ रोजी, ठिक सकाळी १०:०० वाजता, स्थळ : नर्मदा सभागृह (हॉल), ताडीवाला कंपाऊंड, निरंकारी भवन शेजारी, कोकणीपाडा, मालाड (पूर्व), मुंबई- ४०० ०९७** येथे खालील विषयावर सभा आयोजित करण्यात आलेली आहे. सदर सभेस संस्थेच्या प्रारुप परिशिष्ट- २ यादीमधील संबंधित सर्व झोपडीधारकांनी उपस्थित रहावे. अन्य व्यक्तीस सभेस उपस्थित राहता येणार नाही. कृपया याबाबत नोंद घ्यावी.

-: सभेची विषय :-

- **संस्थेसाठी नविन विकासक आणि वास्तुविशारद यांची नियुक्ती करणे.**

सही/-
(आर. एन. हळदे)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी- १, झो.पु. प्रा., बृहन्मुंबई.

ठिकाण : बृहन्मुंबई
दिनांक : 12/12/2024

प्रशासकीय इमारत, अनंत काणेकर मार्ग, बांद्रा (पूर्व), बृहन्मुंबई - ४०००५१.
दुरध्वनी क्र. २६५६५८००/२६५९०४०५/१८७९, फॅक्स क्र. ९१-२२-२६५९०४५७,
संकेतस्थळ : www.sra.gov.in. ई-मेलः : info@sra.gov.in

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्षों का संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम 1975 (जनवरी 2018 तक संशोधित) की धारा 8 (3) (क) के अंतर्गत प्रावधान के अनुपालन में परिमंडल-I के अंदर डी विभाग से 01 प्रस्ताव यानी कुल 01 प्रस्ताव वृक्षों को हटाने के लिए वृक्ष प्राधिकरण/बीएमसी का वृक्ष प्राधिकरण/ मनपा आयुक्त, अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण (बीएमसी) की मंजूरी के लिए प्राप्त हुआ।

उपरोक्त प्रस्तावों के अंतर्गत पेड़ों की कटाई/पुनर्रोपित करने के बारे में विस्तृत जानकारी मनपा के https://mcgm.gov.in वेबसाइट पर पर उपलब्ध है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के बारे में विभाग और वार्ड की नियमावली संबंधित सूचना पुस्तिका-गार्डन और वृक्ष प्राधिकरण 991 ('D')

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष प्राधिकरण अधिकारी,
वृक्ष अधिकारी का कार्यालय,
पेंग्विन इमारत, 2री मंजिल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान,
भायखला (पूर्व), मुंबई-400027.
टेली नं -23742162
ईमेल- sg.gardens@mcgm.gov.in

हस्ता/
पीआरओ/1957/विज्ञा./2024-25 उद्यान अधीक्षक व वृक्ष प्राधिकरण

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्षों का संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम 1975 (24 जून 2021 तक संशोधित) की धारा 8 (3) (क) के अंतर्गत प्रावधान के अनुपालन में परिमंडल-VII के अंदर आर/मध्य विभाग से 01 प्रस्ताव और आर/दक्षिण विभाग से 01 यानी कुल 02 प्रस्ताव प्रभावित वृक्षों को हटाने के लिए वृक्ष प्राधिकरण/बीएमसी का वृक्ष प्राधिकरण/ मनपा आयुक्त, अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण (बीएमसी) की मंजूरी के लिए प्राप्त हुआ।

उपरोक्त प्रस्तावों के अंतर्गत पेड़ों की कटाई/पुनर्रोपित करने के बारे में विस्तृत जानकारी मनपा के **https://mcgm.gov.in** वेबसाइट पर पर उपलब्ध है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के बारे में विभाग और वार्ड की नियमावली संबंधित सूचना पुस्तिका-गार्डन और वृक्ष प्राधिकरण-विज्ञा.7 दिन- **डीडी- डब्लू.एस.- जेड- VII-15.**

उपरोक्त प्रस्ताव के संबंध में नागरिकों की कुछ आपत्तियां व सुझाव आने पर इस विज्ञापन के छपने से 7 दिन के अंदर लिखित स्वरूप में निर्धारित प्रारूप में उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में पेश किया जाए।

उसी तरह आप अपनी आपत्तियां/सुझाव निर्धारित प्रारूप में **dysg.ta@mcgm.gov.in** ईमेल आईडी पर जमा कर सकते हैं। निर्धारित समय पर पेश की गई आपत्तियों/सुझाव पर विचार किया जाएगा। उक्त तिथि के बाद प्राप्त ईमेल या लिखित सुझाव/आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त सुझाव और आपत्तियों के संबंध में सुनवाई **24/12/2024** के दिन उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में दोपहर को 4.30 से 5.00 बजे के दरम्यान किया जाएगा। जो लोग इस सुनवाई में उपस्थित होना आवश्यक समझते हैं वे उपस्थित रह सकते है वे ई-मेल, सुझाव/आपत्तियों की एक प्रति के साथ।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष प्राधिकरण अधिकारी,
वृक्ष अधिकारी का कार्यालय,
पेंग्विन इमारत, 2री मंजिल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान,
भायखला (पूर्व), मुंबई-400027.
टेली नं -23742162
ईमेल- sg.gardens@mcgm.gov.in

हस्ता/
पीआरओ/1953/विज्ञा./2024-25 उद्यान अधीक्षक व वृक्ष प्राधिकरण

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

नशे के खिलाफ कदम

देश में नासूर बनते नशे के खिलाफ अभियान में यदि 114 वर्षीय धावक फौजा सिंह प्रेरक पदयात्रा कर सकते हैं तो ऊर्जावान युवा-बुजुर्ग क्यों नहीं। 'नशा मुक्त-रंगला पंजाब' अभियान के अंतर्गत निकाले गए नशा विरोधी मार्च में मंगलवार को मैराथन धावक फौजा सिंह के साथ ही पंजाब के राज्यपाल अस्सी वर्षीय गुलाब चंद कटारिया की आठ किलोमीटर की पैदल यात्रा सुर्खियों में रही। निश्चित रूप से पंजाब सरकार की पहल अनुकरणीय है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी बड़ा सामाजिक बदलाव का आंदोलन व्यापक जन भागीदारी से ही सिरे चढ़ सकता है। आज पंजाब समेत देश के अन्य राज्यों में युवा पीढ़ी जिस भयावह तरीके से नशे के दलदल में धंसती जा रही है, वह राष्ट्र के लिये एक गंभीर चुनौती है। जिसका मुकाबला सरकारों के साथ आम आदमी के जुड़ाव से ही संभव है। निश्चित रूप से ऐसी पदयात्रा सिर्फ राजनीतिक निहितार्थों और प्रतीकात्मक रूप से आयोजित नहीं होनी चाहिए। ऐसे अभियान को आंदोलन का रूप देकर इस तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाना चाहिए। साथ ही इस तरह के अभियानों से हासिल उपलब्धियों का मूल्यांकन भी जरूरी है। निस्संदेह, औपचारिकताओं के निर्वहन और मीडिया में सुर्खियां बटोरना ऐसे आंदोलन का लक्ष्य तो कदापि नहीं हो सकता। राज्यपाल महोदय का यह कथन सोलह आने सच है कि इस मुद्दे पर बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही महिलाओं की इस आंदोलन में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। निस्संदेह, नशे के नश्तर से महिलाओं को मर्मांतक पीड़ा सहन करनी पड़ती है। अब चाहे पति हो या बेटा, नशे की लत लगने से पूरा परिवार ही संकट में आ जाता है। इसमें दो राय नहीं कि जब पंजाब की नारी शक्ति एकजुट होकर इस मुहिम का नेतृत्व करेगी तो पंजाब अपने स्वर्णिम दिनों की ओर लौट सकता है। निश्चित रूप से किसी राज्य या देश की जवानी का नशे के सैलाब में डूबना राष्ट्रीय क्षति ही है। इसके लिये नशे की आपूर्ति रोकने से लेकर प्रयोग तक पर नियंत्रण की राष्ट्रव्यापी मुहिम की जरूरत है। निस्संदेह, नशे के तेजी से बढ़ते शिकंजे से न केवल असामयिक मौतों, लाइलाज बीमारियों का खतरा बढ़ता है, बल्कि समाज में अपराधों का सिलसिला भी तेज हो जाता है। देखने में आया है कि बड़े अपराधों से लेकर चोरी छीनाझपटी की घटनाओं के मूल में नशाखोरी की भूमिका होती है। कई आपराधिक घटनाओं के मूल में उन कालेज जाने वाले छात्रों की भूमिका पायी गई है, जो नशे के लिये पैसा जुटाने के लिये अपराध की अंधी गलियों में उतर जाते हैं। यह जानते हुए भी यह रास्ता उनके जीवन को बर्बादी की राह पर ले जाता है। निश्चित रूप से समाज विज्ञानियों को भी व्यापक अध्ययन करना चाहिए कि क्यों नई पीढ़ी नशे की ओर तेजी से उन्मुख हो रही है। एक समय था कि पंजाब में आतंक फैलाने के खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये सीमा पार से नशे की बड़ी खेप पंजाब भेजी जाती रही है। चरमपंथियों को आर्थिक मदद पहुंचाने के लिये भी इस षड्यंत्र को सुनियोजित तरीके पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों ने अंजाम दिया। हाल के दिनों में बीएसएफ ने पाकिस्तान की सीमा से लगते भारतीय इलाकों में ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों को गिराने की साजिशों पर लगाम लगायी है। निश्चित रूप से पहले कदम के रूप में सीमाओं को नशे की तस्करी से निरापद बनाने की जरूरत है। वहीं हमारी सुरक्षा व्यवस्था में शामिल उन काली भेड़ों को भी बेनकाब करने की जरूरत है जो नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रही हैं। साथ ही नशे से पीड़ितों को इस दलदल से बाहर निकालने के लिये नशा मुक्ति केंद्रों की स्थापना और पीड़ितों को मनोवैज्ञानिक उपचार देने की भी जरूरत है। निश्चित रूप से नशा पंजाब के लिये बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। जिसके खिलाफ साझा लड़ाई से ही हम कामयाब हो सकते हैं। केंद्रीय एजेंसियों व पंजाब के शासन-प्रशासन को मिलकर नशे के समूल नाश के लिये व्यापक अभियान चलाने की जरूरत है।

शख्सियत | रामकांत रथ

भारतीय साहित्य के अनमोल रत्न

रामकांत रथ ओडिशा के एक प्रसिद्ध कवि, लेखक और साहित्यकार हैं, जिनका योगदान भारतीय साहित्य में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उनका जन्म 13 दिसंबर 1934 को ओडिशा के कटक जिले के एक छोटे से गाँव में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा कटक में हुई और फिर उन्होंने भुवनेश्वर में उच्च शिक्षा प्राप्त की। रामकांत रथ का जीवन साहित्य, कला और संस्कृति के प्रति उनके गहरे प्रेम और समर्पण का प्रतीक था।

रामकांत रथ की लेखनी ने ओडिया साहित्य को न केवल समृद्ध किया, बल्कि भारतीय साहित्य के परिप्रेक्ष्य में भी एक नई दिशा दी। उनकी कविताओं में भारतीय समाज, मानवीय भावनाओं, जीवन के जटिल पहलुओं, प्रेम, संघर्ष और अस्तित्व के मुद्दों का सुंदर चित्रण मिलता है। उनकी कविता में गहरी सोच और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण होता था, जिससे पाठकों को एक नई दृष्टि प्राप्त होती थी। उनकी कविता का रंग बहुत ही सरल, प्रवाहपूर्ण और प्रभावशाली था, जिसे हर वर्ग के पाठक समझ सकते थे।

रामकांत रथ के प्रमुख कविता संग्रह 'पद्मपाणि', 'अंधकार से प्रकाश की ओर', 'मुक्ति' और 'कल्याणी' हैं, जो ओडिया साहित्य में मील का पत्थर माने जाते हैं। इन संग्रहों में उन्होंने जीवन की जटिलताओं और मानवीय संवेदनाओं को खूबसूरती से व्यक्त किया। उनकी कविताओं में एक ओर जहां समाज की व्यथा और संघर्ष दिखाई देते हैं, वहीं दूसरी ओर मानवीयता और प्रेम के सुंदर पहलू भी चित्रित किए गए हैं। रामकांत रथ की लेखनी ने न केवल ओडिशा बल्कि समग्र भारतीय साहित्य में एक अनमोल स्थान प्राप्त किया। उन्हें उनके साहित्यिक योगदान के लिए ओडिशा साहित्य अकादमी पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार, सरस्वती सम्मान और पद्मश्री जैसे सम्मान प्राप्त हुए। उनके योगदान को साहित्यिक दुनिया में उच्च मान्यता मिली और उनकी कविताओं को आज भी पढ़ा और सराहा जाता है।

रामकांत रथ का जीवन हमें यह सिखाता है कि साहित्य न केवल समाज की संवेदनाओं को व्यक्त करने का माध्यम है, बल्कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का भी एक प्रभावी तरीका है। उनकी कविताओं ने लाखों लोगों को प्रेरित किया और उनकी लेखनी का प्रभाव भारतीय साहित्य में सदीयों तक महसूस किया जाएगा। उनके विचार और काव्य हमेशा आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बने रहेंगे।

पूंजीवाद के दंश मगर विरोध सिर्फ पुरुषों का

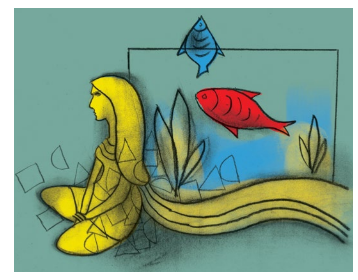

क्षमा शर्मा

कहा जाता है कि अब तक दुनिया में चार बार फेमिनिज्म या स्त्रीवाद की लहर चली है। पहली बार स्त्रीवाद की बात उन्नीसवीं सदी के मध्य से लेकर बीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों तक सुनी गई। फिर दूसरी बार स्त्री अधिकारों की तेज आवाजें 1960 से लेकर 1980 के शुरुआती वर्ष में देखी गईं। आपको याद होगा कि 1975 में संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष भी घोषित किया था। भारत में भी यह एक तरीके से स्त्रीवादी आंदोलन की शुरुआत थी। अपने यहां स्त्री अधिकारों की बातों को मीडिया ने भी उठाया। अमेरिका की तरह मीडिया बैशिंग औरतों को नहीं झेलना पड़ी। महिलाओं की सुरक्षा के लिए तरह-तरह के कानून बनाए गए। यहां तक कि भारत में तो इंदिरा गांधी 1966 में ही प्रधानमंत्री बन गई थीं, अमेरिका में राष्ट्रपति पद पर पहुंचने का इंतजार अभी तक महिलाओं को है। वहां तो वोट के अधिकार तक के लिए महिलाओं को सत्तर साल तक संघर्ष करना पड़ा था। जबकि हमारे यहां महिलाओं को वोट के अधिकार के लिए कोई संघर्ष नहीं करना पड़ा।

स्त्री अधिकारों की बात अपने यहां भी उन्नीसवीं सदी में पुनर्जागरण के नायकों और स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले नेताओं ने जोर-शोर से उठाई थी। यों हजारों वर्षों से स्त्री की आफतों की बात होती रही है। थेरिगाथाओं में बौद्ध भिक्षुणियों की ये आवाज और शिकायतें सुनी जा सकती हैं। तुलसीदास की वे पंक्तियां भी उद्धृत करने योग्य हैं- केहि विधि नारि रची जग माहीं, पराधीन सपनेहु सुख नाहीं। बंगाल के महान उपन्यासकार शरतचंद्र ने भी अपने साहित्य में इस तरह के मुद्दों को खूब उठाया। हिंदी में भी महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद, निराला आदि के साहित्य में स्त्रियों की समस्याओं की बात प्रमुखता से मिलती है। स्त्रीवाद की तीसरी धारा 1990 से 2010 तक मानी गई और 2010 के बाद चौथी धारा की बात की जा रही है। इसमें पितृसत्ता से पूरी मुक्ति और औरतों को समान वेतन देने की बात प्रमुखता से उठाई गई है। फिर 2018 में ट्विटर के जरिए दक्षिण कोरिया में एक आंदोलन चलाया गया, जिसे 4बी का नाम दिया गया। इसमें स्त्रियां एक कदम और आगे जा पहुंचीं। कोरियाई भाषा में ब से शुरू होने वाले चार शब्दों का प्रयोग किया गया। ये शब्द हैं- बिहोन- पुरुष से शादी नहीं, बिकुलसन –कोई बच्चा नहीं, बियोनाए- पुरुषों के साथ डेटिंग भी नहीं, बिसेकसेउ, पुरुषों के साथ यौन सम्बंध नहीं। इसे फोर नोज भी कहते हैं। यानी कि महिलाओं के न कहने का अधिकार। इस आंदोलन में कहा गया था कि जो स्त्रियां अकेली रहती हैं, विवाह नहीं करतीं, जिनके बच्चे नहीं होते, कोरियाई सरकार और समाज उन्हें अच्छी नजर से नहीं देखता। महिलाओं को नौकरियों में भी पुरुषों के मुकाबले कोई प्राथमिकता नहीं मिलती। औरतों को सिर्फ उपभोक्ता समझा जाता है। पूंजीवादी समाज उन्हें हर तरह के अधिकार से वंचित करता है। समाज महिलाओं को सिर्फ मां बनाना चाहता है। जबकि मां बनना, न बनना, औरत का अपना अधिकार है क्योंकि यह उसका शरीर है। इसलिए वे अब पुरुषों से किसी भी प्रकार का सम्बंध नहीं रखना चाहतीं। वे ब्यूटी पार्लर्स का भी बहिष्कार कर रही हैं। कमाल ये है कि महिलाओं ने अपनी आफतों के लिए पूंजीवाद को दोषी ठहराया है, मगर बहिष्कार वे पुरुषों का कर रही हैं। जबकि पूंजीवाद में पुरुष भी मात्र उपभोक्ता में तब्दील कर दिए गए हैं, और वे भी शिकार ही हैं। अमेरिका में जब से रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप, डेमोक्रेटिक पार्टी के कमला हैरिस को हराकर चुनाव जीता है, तब से वहां भी 4बी आंदोलन की आवाज सुनाई दे रही है। स्त्रियां पुरुषों का पूरी तरह से बहिष्कार करना चाहती हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि ट्रंप को गर्भपात विरोधी माना जाता है। यहां भी औरतों का मानना है कि वे मां बनें या न बनें , यह उन्हें ही तय करने दीजिए। कोई पुरुष उन्हें इसके ऊपर लाद नहीं सकता। ट्रंप अपने भाषणों में बार-बार कहते रहे हैं कि अमेरिकी समाज की बड़ी जरूरत परिवार और परिवार के मूल्यों की वापसी है। पूर्व उपराष्ट्रपति अल गेर की पत्नी तो परिवार की वापसी का आंदोलन 1993 से चला रही हैं। लेकिन अमेरिकी स्त्रियां कोरियाई स्त्रियों की तरह ही कह रही हैं कि उन्हें भी अपने जीवन में कोई पुरुष नहीं चाहिए। हम उन्हें सत्ता में आने से रोक नहीं सकते, मगर उनसे दूर तो हो सकते हैं। उनका मानना है कि वे जैसे चाहें जीवन जीएं, यह उनका अधिकार है। इसीलिए औरतें कह रही हैं कि न वे सजेंगी, संवरेंगी, न पेडिक्योर कराएंगी, न मेनिक्योर। वे डेटिंग एप्स और वेबसाइट्स को अलविदा कह रही हैं।

पुरुषों के सम्पूर्ण बहिष्कार की बातों से कोई भी समाज कहां जा सकता है। एक तरफ स्त्रियां पुरुषों का पूरी तरह से बहिष्कार चाहती हैं, तो दूसरी तरफ दुनिया में ऐसे अनेक देश हैं, जो स्त्रियों को मामूली मानव अधिकार तक नहीं देते। वे सदियों पुराने धार्मिक कानूनों से उन्हें हांकते हैं और इसे जस्टीफाई भी करते हैं। तालिबानों ने तो महिलाओं की शिक्षा, उनके बाहर निकलने, संगीत सुनने आदि तक पर प्रतिबंध लगा दिया है। 4बी चलाने वाली स्त्रियों की नजर इन महिलाओं पर नहीं जाती। क्या ये औरतें नहीं। इनके कोई मानव अधिकार नहीं। ये स्त्रियां, स्त्री विमर्श से बाहर क्यों हैं। अपने यहां भी जब सरकार ने तीन तलाक के खात्मे का निर्णय किया था, तो बहुत-से लोगों ने धार्मिक मान्यताओं का हवाला देकर इसका विरोध किया था।

यदि इस समाज में सिर्फ औरतें रहेंगी, तो क्या वास्तव में तमाम तरह के शोषण और अन्याय से मुक्ति मिल सकेगी। स्त्रियों का राज होगा, तो क्या सत्ता चलाने का तंत्र बदल जाएगा। शायद नहीं, क्योंकि सत्ता चलाने के अपने तंत्र होते हैं और दुनिया में कोई भी सत्ता हो, वह निरंकुशता से ही चलती है। कोई सत्ता भी इससे मुक्त नहीं होगी। इतिहास भी इस बात का गवाह है।

जीवन मंत्र | रमेश भाई ओझा

पापी और पुण्यशाली

अचानक भयंकर तूफान आ गया। तेज बारिश होने लगी। बादल भयानक रूप से गरज रहे थे, बिजली चमक रही थी। वे सभी वृक्ष के नीचे खडे.हो गए। तभी उनमें से एक ने कहा- हम में से जो पापी होगा, उस पर किसी समय बिजली गिर सकती है।

कभी-कभी परिवार या समाज में एक व्यक्ति ऐसा निकल आता है, जिसके कारण समूचा समाज और परिवार उबर जाता है। एक पुरानी कथा है। दस लोग जंगल मार्ग से कहीं जा रहे थे। अचानक भयंकर तूफान आ गया। तेज बारिश होने लगी। बादल भयानक रूप से गरज रहे थे, बिजली चमक रही थी। वे सभी वृक्ष के नीचे खडे. हो गए। तभी उनमें से एक ने कहा- हम में से जो पापी होगा, उस पर किसी समय बिजली गिर सकती है।

सब चिंता में पड़ गए, आखिर वह पापी कौन है? उस एक के कारण सबको मरना पड़े, तो यह ठीक नहीं। फिर सबने तय किया कि एक-एक करके दसों यात्री दूर जाकर खडे. होंगे; जो पापी होगा, उसके ऊपर बिजली गिरेगी। सब अपने आप को पुण्यशाली समझ रहे थे। कोई अपने आप को पापी समझने को तैयार न था।

सबसे पहले जो आदमी जाकर दूर खड़ा हुआ, वह अंदर से बहुत डर रहा था, क्योंकि उसे पता था कि उसने पाप किया है। वह पांच मिनट तक खड़ा रहा। बिजली उसके सिर पर चमक रही थी, मगर उस पर गिरी नहीं, वह बच गया। मन ही मन परमात्मा का आभार मानकर वह वापस वृक्ष तले आ गया। दूसरा व्यक्ति गया, वह भी पांच मिनट के बाद संतोष समेत वापस आया। उसने भी सोचा वह निष्पापी है। तीसरा गया। उस पर भी बिजली नहीं गिरी। इस तरह, नौ लोग सुरक्षित वापस लौट आए। उन सबके मन में यह बात तय हो गई कि जो दसवां है, वही पापी है। अब उन्होंने मिलकर दसवें को कहा- पापी, दुष्ट, तेरे कारण हम सब मर जाते। अब जब तू पहचान में आ गया है, तो यहां से निकल। तेरे जैसे पापी के तो साथ चलना भी पाप है। वह सीधा-सादा इंसान था। मगर नौ जनों ने उसे धक्का मारकर दूर कर दिया। उसने पूछा भी कि मेरा क्या दोष है? वे एक सुर में बोले, तू पापी है। तुझे मारने के लिए ही बिजली चमक रही है। तेरे कारण हम सब मरना नहीं चाहते। तुम जाओ यहां से। उस भोले इंसान ने कहा- मेरे कारण आप सबको कष्ट हुआ, इसके लिए मैं क्षमा मांगता हूं, पर मुझे अकेला छोड़कर मत जाओ। सबने कहा- नहीं, तुम जैसे पापी की तो परछाईं भी हम पर नहीं पड़नी चाहिए। तू यहां से भाग। बेचारा रोता हुआ गया, जैसे ही कुछ कदम दूर आगे बढ़ा, आसमान से बिजली गिरी और सारे के सारे मारे गए! उस एक पुण्यशाली के कारण उन नौ के प्राण की रक्षा हो रही थी। जब कभी किसी पुण्यशाली को धक्के देकर समाज निकाल देता है और पुण्यशाली पापी कहलाता है, तब समाज अपनी कब्र खुद ही खोदता है। ऐसे एक पुण्यशाली के कारण पूरा समाज या परिवार बचा रहता है।

जीवन ऊर्जा | हेनरीक हाइने : जन्म 13 दिसंबर 1797 | जन्म

कला मानव आत्मा की अभिव्यक्ति है

हेनरीक हाइने जर्मन कवि, निबंधकार और पत्रकार थे। उनका जन्म 13 दिसंबर 1797 को हुआ था और 17 फरवरी 1856 को निधन हुआ। वे अपनी रोमैंटिक कविताओं और सामाजिक विषयों पर टिप्पणियों के लिए प्रसिद्ध थे। उनका साहित्य विश्वभर में अत्यधिक प्रभावशाली माना जाता है।

जहां किताबें जलाई जाती हैं, वहां अंततः मनुष्यों को भी जलाया जाएगा। हमारे पास जो एकमात्र डर होना चाहिए, वह है स्वयं डर। जो व्यक्ति खतरे में नहीं रहा, वह यह नहीं जानता कि स्वतंत्रता का क्या मतलब होता है। हम इस दुनिया में खुश रहने के लिए नहीं, बल्कि दूसरों को खुश करने के लिए हैं। जितना मैं मानवता से प्यार करता हूं, उतना मैं विशेष रूप से आदमी से कम प्यार करता हूं। प्रेम एक सुंदर फूल की तरह है जिसे मैं छू नहीं सकता, लेकिन जिसकी खुशबू बगिया को आनंद का स्थान बनाती है। दुनिया उनके लिए एक कॉमेडी है जो सोचते हैं, और उनके लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं। जीवन एक सपना है जिससे हम केवल मृत्यु पर जागते हैं। एक कवि एक वायलिनिस्ट की तरह है, जो बिना समझे अपनी संगीत बजाता है। एक लेखक एक कुत्ते की तरह है जो कार का पीछा करता है; भले ही वह इसे पकड़ ले, उसे पता नहीं होता कि उसके साथ क्या करना है। जो सत्य को पसंद नहीं करता, उसे धोखा देने का अधिकार है। दुनिया का ज्ञान होना पर्याप्त नहीं है, आपको इसे उपयोग करने की समझ भी होनी चाहिए। युद्ध के समय, लोग अपनी मूर्खता को अक्सर नहीं देख पाते। सभी से अधिक खतरनाक मूर्खता यह है कि हम जो करते हैं, उसके लिए हमें कोई कारण है। जीने से पहले मर जाना सबसे दुखद बात है। सत्य हमेशा एक जैसा होता है, लेकिन जिस रूप में हम इसे महसूस करते हैं, वह बदलता रहता है। सभी सबसे बड़ी सच्चाइयाँ वे होती हैं जिन्हें स्वीकार करना सबसे कठिन होता है। समय, जो सभी चीजों को देखता है, ने तुम्हें पहचान लिया है।

जो कुछ नया होता है, वह थोड़ा अजीब भी होता है। जो आदमी बच्चा नहीं रहा, उसका भविष्य नहीं होता। सबसे बड़ी खुशी मृत्यु के डर से मुक्त होना है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

धूमावती दीक्षा से होता है अद्भुद साहस का संचार

धूमावती दीक्षा प्राप्त होने से साधक का शरीर मजबूत व् सुदृढ़ हो जाता है। आए दिन और नित्य प्रति ही यदि कोई रोग लगा रहता हो, या शारीरिक अस्वस्थता निरंतर बनी ही रहती हो, तो वह भी दूर होने लग जाती है। उसकी आखों में प्रबल तेज व्याप्त हो जाता है, जिससे शत्रु अपने आप में ही भयभीत रहते हैं।

इस दीक्षा के प्रभाव से यदि कीसी प्रकार की तंत्र बाधा या प्रेत बाधा आदि हो, तो वह भी क्षीण हो जाती है। इस दीक्षा को प्राप्त करने के बाद मन में अदभुद साहस का संचार हो जाता है, और फिर किसी भी स्थिति में व्यक्ति भयभीत नहीं होता है। तंत्र की कई उच्चाटन क्रियाओं का रहस्य इस दीक्षा के बाद ही साधक के समक्ष खुलता है।

धूमावती का मंत्र

मोती की माला से नौ माला 'ऊँ धूं धूं धूमावती देव्यै स्वाहाः' मंत्र का जाप कर सकते हैं। जाप के नियम किसी जानकार से पूछें।

बगलामुखी दीक्षा

माता बगलामुखी की साधना युद्ध में विजय होने और शत्रुओं के नाश के लिए की जाती है। बगला मुखी के देश में तीन ही स्थान है। कृष्ण और अर्जुन ने महाभातर के युद्ध के पूर्व माता बगलामुखी की पूजा अर्चना की थी। इनकी साधना शत्रु भय से मुक्ति और वाक् सिद्धि के लिए की जाती है।

यह दीक्षा अत्यन्त तेजस्वी, प्रभावकारी है। इस दीक्षा को प्राप्त करने के बाद साधक निडर एवं निर्भीक हो जाता है। प्रबल से प्रबल शत्रु को निस्तेज करने एवं सर्व कष्ट बाधा निवारण के लिए इससे अधिक उपयुक्त कोई दीक्षा नहीं है।

इसके प्रभाव से रूका धन पुनः प्राप्त हो जाता है। भगवती वल्गा अपने साधकों को एक सुरक्षा चक्र प्रदान करती हैं, जो साधक को आजीवन हर खतरे से बचाता रहता है।

बगलामुखी का मंत्र

हल्दी की माला माला '
ॐ ह्लीं बगलामुखी सर्व दुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय जिह्वां कीलयबुद्धिं विनाशय ह्लीं ॐ स्वाहा।'

मंत्र का जाप कर सकते हैं। जाप के नियम किसी जानकार से पूछें।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

तकलीफों का बोझ पीठ पर उठाकर लंबी दूरी नहीं तय सकते

बहुत समय पहले की बात है, एक गांव में एक महात्मा रहते थे। आसपास के गांवों के लोग अपनी समस्याओं और परेशानियों के समाधान के लिए महात्मा के पास जाते थे और संत उनकी समस्याओं, परेशानियों को दूर करके उनका मार्गदर्शन करते थे। एक दिन एक व्यक्ति ने महात्मा से पूछा- गुरुवर, संसार में खुश रहने का रहस्य क्या है? महात्मा ने उससे कहा कि तुम मेरे साथ जंगल में चलो, मैं तुम्हे खुश रहने का रहस्य बताता हूं। महात्मा और वह व्यक्ति जंगल की तरफ चल दिए। रास्ते में चलते हुए महात्मा ने एक बड़ा सा पत्थर उठाया और उस व्यक्ति को देते हुए कहा कि इसे पकड़ो और चलो। उस व्यक्ति ने वह पत्थर लिया और वह महात्मा के साथ-साथ चलने लगा। कुछ देर बाद उस व्यक्ति के हाथ में दर्द होने लगा लेकिन वह चुप रहा और चलता रहा। जब चलते-चलते बहुत समय बीत गया और उस व्यक्ति से दर्द सहा नहीं गया तो उसने महात्मा से कहा कि उसे बहुत दर्द हो रहा है। महात्मा ने कहा कि इस पत्थर को नीचे रख दो। पत्थर को नीचे रखते ही उस व्यक्ति को बड़ी राहत मिली। महात्मा ने उससे पूछा, जब तुमने पत्थर को अपने हाथ में उठा रखा था तब तुम्हे कैसा लग रहा था। उस व्यक्ति ने कहा, शुरू में दर्द कम था तो मेरा ध्यान आप पर ज्यादा था पत्थर पर कम था लेकिन जैसे-जैसे दर्द बढ़ता गया मेरा ध्यान आप पर से कम होने लगा और पत्थर पर ज्यादा होने लगा और एक समय मेरा पूरा ध्यान पत्थर पर आ गया और मैं इससे अलग कुछ नहीं सोच पा रहा था। महात्मा ने उससे फिर से सवाल किया, जब तुमने पत्थर को नीचे रखा तब तुम्हे कैसा महसूस हुआ। इस पर उस व्यक्ति ने कहा- पत्थर नीचे रखते ही मुझे बहुत राहत महसूस हुई और खुशी भी महसूस हुई। तब महात्मा ने कहा, यही है खुश रहने का रहस्य! इस पर वह व्यक्ति बोला, गुरुवर, मैं कुछ समझा नहीं। तब महात्मा ने उसे समझाते हुए कहा, जिस तरह इस पत्थर को थोड़ी देर हाथ में उठाने पर थोड़ा सा दर्द होता है, थोड़ी और ज्यादा देर उठाने पर थोड़ा और ज्यादा दर्द होता है और अगर हम इसे बहुत देर तक उठाए रखेंगे तो दर्द भी बढ़ता जाएगा। उसी तरह हम दुखों के बोझ को जितने ज्यादा समय तक उठाए रखेंगे हम उतने ही दुखी और निराश रहेंगे। यह हम पर निर्भर करता है कि हम दुखों के बोझ को कितनी देर उठाए रखते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

कविता

प्रेमिका

जिस राह पर वह चलती है
वहाँ अनेकों की आँख फिरती है।
अनेक अकर्म शिला फेंक कर
एक मोती
प्रेमिक हाथ की मुट्ठी में रखती ।

प्रेम एक साधना, कोई खेलघर नहीं
प्रेमिका एक मयूरकंठी साड़ी,
पटवस्त्र नहीं।
जैसा वह हीरे का टुकड़ा
हजार गलमालाओं में
वह निःसंगता का मंत्र पढ़ती।
नदी गढ़े, सागर गढ़े
भूगर्भ से खुल आए बन्या में।

रवि अस्तमित के समय भी वह झटकी
ऊँची भूमि को जाए
अमृत पीए - विष भी पीए।
पिछली जमीन उड़ाने
त्रिवेणी घाट पर डुबकी लगाए।
पेड़-पौधे में बह जाए
जैसे वह धीर पवन है।

वह कितनी सीधी है, सुबह की धूप की तरह
वह कितनी चंचल
जैसे साँझ की बदली, सागर की लहर।
रंगमय उसकी सत्ता,
पुरुष दहल जाएगा
उसकी कटाक्ष एक ऊँचाई की बाड़।

रुनु महांति

ग़ज़ल

छुट्टियाँ

आदर्श दुबे

हम कहीं भी हों मगर ये छुट्टियाँ रह जाएँगी
फूल सब ले जाएँगे पर पत्तियाँ रह जाएँगी

काम करना हो जो कर लो आज की तारीख़ में
आँख नम हो जाएगी फिर सिसकियाँ रह जाएँगी

इस नए क़ानून का मंज़र यही दिखता है अब
पाँव कट जाएँगे लेकिन बेड़ियाँ रह जाएँगी

सिर्फ़ लफ़्ज़ों को नहीं अंदाज़ भी अच्छा रखो
इस जगत में सिर्फ़ मीठी बोलियाँ रह जाएँगी

क्यों बनाते हो सियासत को तुम अपना हम-सफ़र
सब चले जाएँगे लेकिन कुर्सियाँ रह जाएँगी

तुम को भी आदर्श पर 'आदर्श' चलना है यहाँ
वर्ना इस दलदल में धँसतीं पीढ़ियाँ रह जाएँगी

कहानी

जज्बात का सौदागर

प्रेमलता यदु

रोमा सारे घरों का काम जल्दीजल्दी निबटा कर तेज कदमों से भाग ही रही थी कि वनिता ने आवाज लगाई, ''अरी ओ रोमा नाश्ता तो करती जा। मैं ने तेरे लिए ही निकाल कर रखा है।'''रख दीजिए बीबीजी, मैं शाम को आ कर खा लूंगी। अभी बहुत जरूरी काम से जा रही हूं,'' कहते हुए रोमा सरपट दौड़ गई। रोमा यहां सोसाइटी के कुछ घरों में झाड़ूपोंछा, बरतन, साफसफाई का काम करती थी। इस समय वह इतनी तेजी से अपने प्रेमी रौनी से मिलने जा रही थी। रौनी बगल वाली सोसाइटी में मिस्टर मेहरा के यहां ड्राइवर था।

पिछले 2 साल से रोमा और रौनी में गहरी जानपहचान हो गई थी। वे दोनों अगलबगल की सोसाइटी में काम करते थे और एक दिन आतेजाते उन की निगाहें टकरा गईं। फिर देखते ही देखते उन के बीच प्यार की शहनाई बज उठी।जवानी की दहलीज पर अभीअभी कदम रखने वाली रोमा पूर्णमासी के चांद की तरह बेहद ही खूबसूरत और मादक लगती थी। उस की हिरनी जैसी आंखें, सुराहीदार गरदन, पतली कमर और गदराया बदन देख कर हर कोई उसे रसभरी निगाहों से देखता था, लेकिन रोमा की जिंदगी का रस रौनी था, जिस से शादी कर के वह अपना घर बसाना चाहती थी। रौनी दिखने में बांका जवान था। बिखरे बाल, आंखों पर चश्मा, शर्ट के सामने के 2 बटन हमेशा खुले, गले में चेन और कलाई में ब्रैसलेट रौनी का यह स्टाइल किसी हीरो से कम नहीं था और रोमा उस के इसी स्टाइल पर मरमिटी थी।अकसर रोमा ही सारे घरों का काम निबटा कर रौनी को पास वाले पार्क में मिलने के लिए फोन किया करती थी, लेकिन आज पहली बार रौनी ने फोन कर के रोमा को 'जरूरी काम है' कह कर बुलाया था।रोमा भागीभागी पार्क में पहुंची, तो देखा कि रौनी वहां उस का इंतजार कर रहा था।

रोमा को सामने देखते ही रौनी ने उसे अपनी बांहों में दबोच लिया। रोमा खुद को छुड़ाते हुए बोली, ''यही था तेरा जरूरी काम, जो तू ने मुझे यहां इतनी जल्दी में बुलाया तुझे पता है कि मैं बनर्जी के घर का काम छोड़ कर आई हूं

अब जल्दी से बोल कि यहां मुझे क्यों बुलाया?''रोमा की कमर पर अपना हाथ डाल कर उसे अपनी ओर खींच कर करीब लाने के बाद उस के होंठों पर अपनी उंगली फेरते हुए रौनी बोला, ''हमारी शादी के लिए रुपयों का जुगाड़ हो गया''यह सुनते ही रोमा उछल पड़ी और बोली, ''अरे वाह यह सब तू ने कैसे किया? तेरा मालिक तुझे रुपए उधार देने के लिए तैयार हो गया क्या?''रोमा के ऐसा पूछने पर रौनी के चेहरे पर एक राजभरी मुसकान और आंखों पर एक अजीब सी शरारत तैर गई और वह रोमा का चेहरा अपने दोनों हाथों में ले कर उस के होंठों को चूमने लगा। रोमा झुंझला कर रौनी से अलग होते हुए बोली,

''छोड़ मुझे पहले यह बता कि रुपए कहां से आएंगे?''अपने हाथों से अपने ही होंठों को पोंछते हुए रौनी बोला, ''तुझे हमारे साहब के बच्चे को जन्म देना होगा।''इतना सुनते ही रोमा चिढ़ गई और बोली, ''तुझे शर्म नहीं आती, कैसी बेशर्मों जैसी बात करता है। मैं भला तेरे साहब के बच्चे की मां क्यों बनूंगी''

रोमा के ऐसा कहने पर रौनी हंसते हुए बोला, ''अरे, तुझे साहब के बच्चे की मां नहीं बनना है, बच्चे की मां तो उन की बीवी ही रहेगी, तुझे तो बस उन के बच्चे को अपनी कोख में 9 महीने के लिए रखना है। इस के लिए साहब हमें 2 लाख रुपए देंगे, मकान किराए पर ले कर देंगे और खानापीना सब का खर्चा साहब ही उठाएंगे।''पहले तो रोमा मानी नहीं, लेकिन जब रौनी ने उसे सरोगेसी मां के बारे में अच्छी तरह से समझाया, अपने प्यार का वास्ता दिया और जल्द ही शादी करने का वादा किया, तो 20 साल की भोलीभाली रोमा सरोगेसी मां बनने के लिए तैयार हो गई।

रोमा ने सारे घरों का काम छोड़ दिया। इतना ही नहीं, अपना घर भी छोड़ दिया। वैसे भी घर पर उस का अपना कोई था नहीं। बाप पूरा दिन शराब के नशे में पड़ा रहता। उसे अपना होश नहीं रहता था, तो वह अपनी बेटी की फिक्र कहां से करता। सौतेली मां के लिए रोमा बोझ ही थी। रोमा के आगेपीछे कोई नहीं था। जो था रौनी ही था, जिस पर उसे अंधा भरोसा था और वह रौनी पर जान छिड़कती थी।रौनी कोलकाता से रोमा को उत्तराखंड ले आया।

यहां आ कर रोमा को पता चला कि जहां वह रहने वाली है वह कोई घर नहीं, बल्कि एक आश्रम है, जहां उस के जैसी और भी बहुत सी लड़कियां और औरतें दिखाई दे रही थीं, जो मां बनने वाली थीं। आश्रम में कुछ जवान लड़कियां और बुजुर्ग औरतें भी थीं, जो साध्वी और सेवादार थीं। यह आश्रम एक जानेमाने आचार्य द्वारा चलाया जा रहा था, जिन का देशविदेश में हर दिन प्रवचन होता था और वे धर्म से जुड़ी कहानियां भक्तों से साझा करते थे।

रोमा को यह सब बहुत अटपटा लग रहा था, लेकिन वह रौनी का साथ पा कर इन सभी को नजरअंदाज कर रही थी। रोमा की दुनिया अब बदल गई थी। रौनी हर समय उस के साथ रहता, उस का पूरा खयाल रखता। एक महीने के भीतर डाक्टर की निगरानी में रोमा पेट से भी हो गई, लेकिन उसे कुछ समझ नहीं आया कि यह सब हुआ कैसे? न रौनी के साहब यहां आए और न ही साहब की पत्नी।इस बीच रोमा ने न कभी आश्रम में रह रही किसी लड़की या औरत से कोई बात की और न ही यह जानने की कोशिश की कि वे सब कहां से आई हैं, उन के पति कहां हैं और वे इस आश्रम में कब से हैं।

एक रात अचानक खाना खाने के बाद रौनी कहीं जाने की तैयारी करने लगा। यह देख कर रोमा बोली, ''रौनी, तू कहीं जा रहा है क्या?''रोमा के ऐसा कहने पर रौनी बोला, ''हां, काम पर तो लौटना होगा। शादी की तैयारी जो करनी है।''यह सुन कर रोमा का चेहरा उतर गया। वह रोआंसी हो गई और रौनी के गले लगते हुए बोली, ''तू मत जा, रौनी। मैं तेरे बगैर यहां नहीं रह पाऊंगी।

फिर अभी तो बच्चे के होने में पूरे 9 महीने हैं। मैं यहां अकेली तेरे बगैर कैसे रहूंगी मैं भी तेरे साथ चलती हूं।''रोमा को इस तरह रोते और साथ चलने की जिद करते देख रौनी उसे समझाते हुए बोला, ''देख, साहब और मेमसाहब की पहली शर्त यही थी कि उन का बच्चा इसी आश्रम में पैदा हो, ताकि बच्चे में अच्छे गुण और संस्कार आएं, इसलिए तुझे यहीं रहना होगा और मुझे तो जाना ही होगा। ''शादी के लिए और भी रुपयों की जरूरत पड़ेगी। तुझे दुखी होने की कोई जरूरत नहीं।

तू यहां अकेली कहां है। इस आश्रम में इतने सारे लोग हैं। सब तेरा ध्यान रखेंगे और मैं भी तो आताजाता ही रहूंगा,'' ऐसा कह कर रौनी जाने लगा। रोमा उसे भारी मन से आश्रम के बाहर तक छोड़ने के लिए साथ चलने लगी। अभी वे दोनों आश्रम के मेन गेट से कुछ दूर ही पहुंचे थे कि एक लड़की दौड़ती हुई आई और रौनी से लिपट गई। यह देख कर रोमा हैरान थी, क्योंकि वह लड़की बारबार रौनी को अपने साथ ले चलने की बात कह रही थी।वह लड़की कह रही थी, ''रौनी, यह आश्रम, आश्रम नहीं है। यहां लड़कियों की दलाली होती है। उन का शारीरिक शोषण होता है। जबरन उन्हें पेट से किया जाता है और उन से पैदा होने वाले बच्चों को उन पैसे वाले और विदेशी जोड़ों को बेच दिया जाता है, जिन के बच्चे नहीं हैं।''उस लड़की की बातों को सुन कर रोमा को यह समझने में समय नहीं लगा कि उस के साथ छल हुआ है और वह भी उस लड़की की ही तरह रौनी के हाथों ठगी जा चुकी है। वह रौनी के किसी भी साहब या उन की पत्नी के लिए सरोगेसी मां नहीं बनाई जा रही है, बल्कि इस आश्रम में बच्चों का व्यापार होता है और उसे इसीलिए इस आश्रम में लाया गया है।

रोमा उस लड़की से कोई सवाल करती या फिर रौनी से पूछती कि उस ने उस के साथ यह छल क्यों किया, उस से पहले एक साध्वी तेज कदमों से वहां आई और उस लड़की के गाल पर जोरदार तमाचा जड़ने के बाद उसे वहां से खींच कर ले जाने लगी। वह लड़की चीखचीख कर रौनी को पुकारती रही और उस से कहती रही, ''रौनी, मुझे इस नरक से ले चलो''लेकिन रौनी उस लड़की को अनसुना और रोमा को अनदेखा कर आश्रम के गेट से बाहर अपने नए शिकार की तलाश में निकल गया। रोमा हैरान सी खड़ी रौनी को अपनी आंखों से ओझल होते हुए देखती रही।

लघुकथा

रोटी का हिसाब

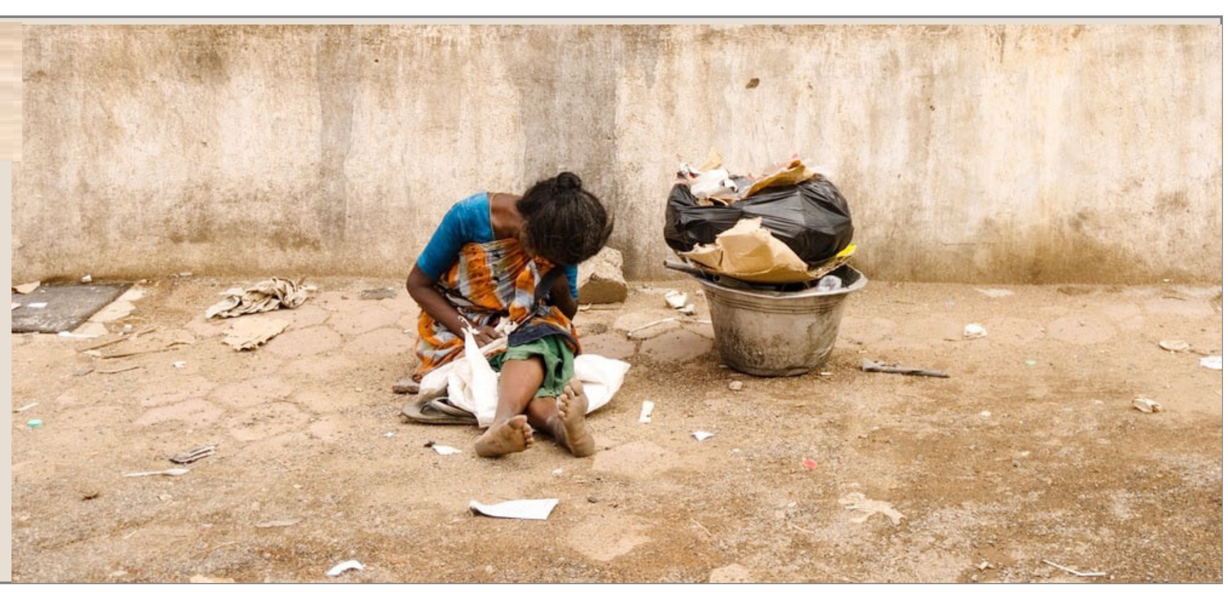

उसका पति साल भर पहले ही दुनिया से गुजर चुका था। अब अपने तीन बच्चों का पालन-पोषण उसके जिम्मे था।

वह दिन भर शहर के बाजारों में घूम-फिर कर कागज, प्लास्टिक और गत्ते आदि के टुकड़े चुनती थी। उसकी सबसे बड़ी आठ वर्षीय बेटी भी यही काम करती थी। मंझला और छोटा बेटा, दोनों दिन भर झुग्गी में पड़े रहते। दिन भर की जान तोड़ मेहनत के बाद जो पैसे मिलते उनसे रात में बस गिनती की आठ रोटियां ही पकतीं, जो हर एक के हिस्से में दो-दो आती थीं।

एक दिन छोटा बेटा बहुत बीमार हो गया। बचने की आशा नहीं थी। पैसे ही नहीं थे कि उपचार होता। उसे देख कर मंझला बोला। 'माई! इ मर जाए तो हम लोगन को एक-एक रोटी और मिलेगा न?'

तनवीर अख़्तर रूमानी

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — धनार्जन सुगम होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

वृष — रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

मिथुन — सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

कर्क — वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी।

सिंह — लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कन्या — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी।

तुला — तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा।

वृश्चिक — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु — नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है।

मकर — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है।

कुंभ — धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें।

मीन — कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है।

कुंडली में व्यापार या नौकरी को दशम भाव से देखा जाता है।

प्रियंका जैन
9769994439

दशम भाव के स्वामी को दशमेश या कर्मेश या कार्येश कहते हैं। इस भाव से यह देखा जाता है कि व्यक्ति सरकारी नौकरी करेगा अथवा प्राइवेट? या व्यापार करेगा तो कौन सा और उसे किस क्षेत्र में अधिक सफलता मिलेगी? सप्तम भाव साझेदारी का होता है। इसमें मित्र ग्रह हों तो पार्टनरशिप से लाभ। शत्रु ग्रह हो तो पार्टनरशिप से नुकसान। मित्र ग्रह सूर्य, चंद्र, बुध, गुरु होते हैं। शनि, मंगल, राहु, केतु ये आपस में मित्र होते हैं। सूर्य, बुध, गुरु और शनि दशम भाव के कारक ग्रह हैं।

ऐसा भी कहा जाता है कि मन का स्वामी चंद्र जिस राशि में हो, उस राशि से स्वामी ग्रह की प्रकृति के आधार पर या चंद्र से उसके युति अथवा दृष्टि संबंध के आधार पर यदि कोई व्यक्ति अपनी आजीविका अथवा कार्य का चयन करता है। बलवान चंद्र से दशम भाव में गुरु हो तो गजकेसरी नामक योग होता है किंतु गुरु कर्क या धनु राशि का होना चाहिए। ऐसा जातक यशस्वी, परोपकारी धर्मात्मा, मेधावी, गुणवान और राजपूज्य होता है। यदि जन्म लग्न, सूर्य और दशम भाव बलवान हो तथा पाप प्रभाव में न हो तो जातक शाही कार्यों से धन कमाता है और यशस्वी होता है।

दशम भाव में केवल शुभ ग्रह हों तो अमल कीर्ति नामक योग होता है किंतु उसके अशुभ भावेश न होने तथा अपनी नीच राशि में न होने की स्थिति में ही इस योग का फल मिलेगा। दशमेश के बली होने से जीविका की वृद्धि और निर्बल होने पर हानि होती है। लग्न से द्वितीय और एकादश भाव में बली एवं शुभ ग्रह हो तो जातक व्यापार से अधिक धन कमाता है। धनेश और लाभेश का परस्पर संबंध धनयोग का निर्माण करता है। दशम भाव का कारक यदि उसी भाव में स्थित हो अथवा दशम भाव को देख रहा हो तो जातक को आजीविका का कोई न कोई साधन अवश्य मिल जाता है।

क्रमशः

खबर संक्षेप

महाकुंभ में शामिल होने के लिए जाएंगे सीएम नीतीश कुमार

पटना/प्रयागराज। प्रयागराज में दिव्य और भव्य महाकुंभ 2025 का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां अंतिम दौर में है। निमंत्रण पत्र भी भेजे जाने लगे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने न्योता भेजा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा सहित बिहार सरकार के अन्य मंत्रियों को भी महाकुंभ में शामिल होने के लिए न्योता भेजा गया है। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री राकेश सचान और दयाशंकर सिंह गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुलाकात की। इस दौरान योगी सरकार के मंत्रियों ने महाकुंभ में आने के लिए उन्हें निमंत्रण पत्र भेंट किया। योगी सरकार में मंत्री राकेश सचान ने कहा, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रयागराज में भव्य रूप से महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। इसी कड़ी में योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निमंत्रण देने के लिए आए हैं। मुख्यमंत्री के अलावा हम लोगों ने बिहार के राज्यपाल को भी आमंत्रित किया है।

VTR से खतरनाक सांपों का पलायन

बेतिया। बिहार में बेतिया के बगहा में ठंड बढ़ने के साथ ही वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (VTR) के जंगलों से सांपों का रिहायशी इलाकों में आने का सिलसिला शुरू हो गया है। ठंड के दिनों में सांप गर्म जगह की तलाश में रिहायशी इलाकों की ओर रुख करते हैं। हाल ही में वाल्मीकि नगर के आसपास दो खतरनाक सांपों को वन विभाग ने रेस्क्यू किया। पहला मामला वाल्मीकि नगर हवाई अड्डा क्षेत्र के पास का है, जहां वनस्थली पब्लिक स्कूल के पीछे से रसेल वाइपर सांप पकड़ा गया। यह सांप, जिसे दुनिया के सबसे जहरीले सांपों में गिना जाता है, स्कूल में घुसने की कोशिश कर रहा था।

ई है बनारस शहरिया, लूटमलूट बबुआ...

- बीएचयू अस्पताल की ओपीडी के गेट से लेकर शताब्दी सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक तक दलालों का मकड़जाल
- दवाओं में 30 प्रतिशत छूट का लालच और जल्दी रिपोर्ट का देते हैं झांसा

“बीएचयू अस्पताल में चोरों और दलालो को पकड़ने के लिए सीसी कैमरे से निगरानी की जाती है। जगह-जगह बैठने वाले सुरक्षाकर्मियों को और भी सजगता से काम करने को कहा है। इमरजेंसी से छोटे गेट तक जाने वाले मार्ग पर दलालों को पकड़ने का अभियान चलाया जाएगा। ओपीडी पर बंद स्क्रीन भी जल्द चालू कराई जाएगी।

-प्रो. शिव प्रकाश सिंह, चीफ प्रॉक्टर बीएचयू

7 हजार मरीज ओपीडी, इमरजेंसी में आते हैं

बीएचयू अस्पताल में वाराणसी सहित पूर्वांचल के अन्य जिलों, बिहार, झारखंड आदि जगहों से रोजाना करीब 7 हजार मरीज ओपीडी, इमरजेंसी में आते हैं। पुरानी बिल्डिंग से लेकर एसएसबी वार्डों में मरीज भर्ती भी रहते हैं। प्रशासन अस्पताल परिसर में सुरक्षा को लेकर सीसी कैमरा लगवाने के साथ ही सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का दावा भी करता है।

एजेंसी । वाराणसी

बीएचयू अस्पताल की ओपीडी के गेट से लेकर इमरजेंसी के पास से छोटे गेट तक जाने वाली सड़क के साथ ही शताब्दी सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) तक दलालों का मकड़जाल फैला है। डॉक्टर को दिखाने के बाद दवा का पर्चा लेकर बाहर कोई मरीज दिखे तो दलाल उसके पीछे लग जाते हैं।मरीज की जरूरत का पता चलते ही उसे अस्पताल परिसर के बाहर सस्ती और अच्छी गुणवत्ता वाली दवा के साथ समय से जांच रिपोर्ट दिलाने का झांसा देकर छोटे गेट से बाहर ले जाते हैं। बुधवार को अमर उजाला की पड़ताल में ऐसा ही दृश्य नजर आया। चौंकाने वाली बात यह है कि अस्पताल में रेडियोथेरेपी विभाग के पीछे छोटे गेट पर हमेशा दो-तीन सुरक्षाकर्मी बैठे रहते हैं। इसके बाद भी दलाल बेधड़क मरीज को पकड़कर ले जाते हैं।

जांच में देरी, महंगी दवा की देते हैं जानकारी

रेडियोथेरेपी विभाग के पिछले हिस्से में छोटे गेट से सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक तीन-चार लोग इमरजेंसी और ओपीडी से बाहर आने वाले मरीजों पर नजरें जमाए रहते हैं। बुधवार को कुछ युवक तो 99 नंबर पर्चा काउंटर के पीछे वाली रेलिंग पर भी बैठे मिले। ये वहां से गुजरने वाली महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों को बाहर ले जाते दिखे। पहचान छिपाने के लिए मुंह पर मॉस्क लगाए रहते हैं। प्रॉक्टोरियल बोर्ड की ओर से तैनात सुरक्षाकर्मी भी इन्हें को कुछ नहीं बोल पाते हैं। बीएचयू अस्पताल में आने वाले मरीजों को दलाल पकड़कर उनके पर्चे पर दवा और लिखी जांच को पढ़ते हैं। मरीजों को बीएचयू में जांच करवाने पर रिपोर्ट में देरी और यहां की महंगी दवाओं की जानकारी देते हैं। छोटे गेट के बाहर मेडिकल स्टोर्स का नाम बताकर, वहां से दवा लेने पर 30 प्रतिशत की छूट की बात बताते हैं।

दलालों पर कोई अंकुश नहीं

साथ ही जांच फीस में भी छूट दिलाने को कहते हैं। इससे मरीज कम पैसे और जल्द रिपोर्ट मिलने की बात सुनकर झांसे में आ जाते हैं। पिछले दिनों एसएसबी वार्ड में बाहरी लैब के कर्मचारियों के सैंपल लेने की सूचना मिलने के बाद यहां बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध की सूचना भी चस्पा है।

बंद है दलालों, चोरों का चेहरा दिखाने वाली स्क्रीन

बीएचयू अस्पताल की ओपीडी के बाहर ऊपरी दीवार पर बड़ी सी टीवी स्क्रीन लगवाई है। अस्पताल में चोरी, छिनैती करने वालों के साथ ही 10 से 12 चिन्हित दलालों की तस्वीर पहले इसमें दिखाई जाती थी।

सांसद कंगना रनौत की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

- कोर्ट में नहीं हुईं हाजिर, अब 18 दिसंबर की दी गई तारीख

आगरा। राष्ट्रद्रोह वाद के केस में सांसद फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत बृहस्पतिवार को भी स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए अनुज कुमार सिंह की कोर्ट में हाजिर नहीं हुई। उनकी तरफ से कोई अधिवक्ता भी हाजिर नहीं हुआ। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 18 दिसंबर की तारीख तय कर दी।

किसानों पर अभद्र टिप्पणी का है मामला

राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने फिल्म अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ अदालत में वाद दायर किया था। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह ने कोर्ट में धारा 200 सीआरपीसी के तहत अधिवक्ता के बयान दर्ज हुए थे। अधिवक्ता ने वाद पत्र में लिखा है कि वह देश के किसानों के प्रति और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति पूर्ण रूप से श्रद्धा भाव एवं सम्मान रखते हैं। 26 अगस्त 2024 को भाजपा सांसद कंगना रनौत ने टीवी चैनलों पर दिए साक्षात्कार में किसानों पर अभद्र टिप्पणी की। इसके पहले 16 नवंबर 2021 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसात्मक सिद्धांत का मजाक उड़ाया था।

नोटिस रिसीव होने के बाद भी कोर्ट में हाजिर नहीं हुई कंगना

कोर्ट ने 13 नवंबर को कंगना के दिल्ली एवं कुल्लू मनाली के पते पर दो नोटिस भेजकर 28 नवंबर को हाजिर होने के लिए आदेश दिए थे। नोटिस रिसीव होने के बाद भी कंगना 28 नवंबर को कोर्ट में हाजिर नहीं हुई ।

शादी समारोह में फायरिंग

- बारात गए युवक को लगी गोली, मौत

एजेंसी । नालंदा

नालंदा जिला में शादी समारोह के दौरान बुधवार की देर रात हुई हर्ष फायरिंग में एक युवक को गोली लगने से मौत हो गई है। यह मामला सारे थाना क्षेत्र के नेरुत गांव का बताया जा रहा है। मृतक की पहचान बिन्द थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहोग गांव निवासी रामशरण यादव के 27 वर्षीय पुत्र त्रिलोकी कुमार के रूप में हुई है। वह अपने गांव से बारात में शामिल होने के लिए नेरूत गांव गया हुआ था। परिजनों ने आरोप लगाया है कि जानबूझकर त्रिलोकी कुमार को गोली मारी गई है। वहीं, दूसरी तरफ परिवार वालों का यह भी कहना है कि त्रिलोकी का किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। उनलोगों को गुरूवार की सुबह 3 बजे सूचना प्राप्त हुई की त्रिलोकी की मौत गोली लगने से हो गई है।

जिद्द, गुस्सा, मां का कत्ल और पछतावा

वैज्ञानिक की पत्नी की हत्या

- मां की हत्या करने का पछतावा
- मां के लिए रोने लगा कातिल बेटा

एजेंसी । गोरखपुर

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र चेन्नई के सहायक वैज्ञानिक राम मिलन ने पत्नी आरती की मौत के मामले में पिपराइच थाने में केस दर्ज कराया है। इसके बाद बुधवार को बेटे को उसकी नानी के घर से लाकर थाने में पुलिस को सौंप दिया। इस दौरान वह भावुक हो गए और बेटे की तरफ निराश होकर देखने लगे। राम मिलन ने बताया कि बेटा पूरी तरह स्वस्थ है। हाईस्कूल तक उसने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के स्कूल में पढ़ाई की है। उनसे बहुत बड़ी गलती हो गई कि उसे यहां पढ़ने के लिए भेज दिया। बुरी संगत में पड़कर वह जिद्दी हो गया। पिपराइच पुलिस ने बुधवार को नाबालिग को अभिरक्षा में लेकर बाल सुधार गृह भिजवा दिया। बेटे की करतूत से शर्मसार वैज्ञानिक अपने घर पर ताला लगाकर रिश्तेदार के यहां चले गए हैं। राम मिलन का कहना है कि अब किसी की बात का जवाब देने का मन नहीं कर रहा है।

नाबालिग के कमरे से मिले नोट

पिपराइच पुलिस ने वैज्ञानिक के घर की तलाशी ली तो नाबालिग के कमरे में बिस्तर पर सौ और पांच-पांच सौ के नोट बिछे मिले। करीब 15 हजार रुपये बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इंटर का छात्र बहुत कम स्कूल जाता था। वह प्रतिदिन एक कोचिंग में जाता था, उसकी वहीं पर गलत संगत हो गई। वहां कुछ लड़कों के साथ नशा भी करने लगा था।

तड़पकर कोमा में गईं फिर हुई मौत

दो दिसंबर को सुबह 8:30 बजे बेटे को स्कूल जाने का दबाव बनाने पर उसने मां आरती को धक्का दे दिया था। इस दौरान आरती दो बार गिरीं। उनके सिर में चोट लगने से खून बह रहा था। उसी हाल में बेटा उन्हें छोड़कर चला गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, करीब तीन घंटे तक आरती फर्श पर तड़पी थीं। इसके बाद तेज दर्द की वजह से कोमा में चली गईं। शरीर से खून अधिक निकल जाने की वजह से उनकी मौत हो गई। अगर बेटे ने गिरने के बाद मां को अस्पताल पहुंचाया होता तो उनकी जान बच जाती। पुलिस हिरासत में आने के बाद वैज्ञानिक का बेटा अपनी मां के लिए रोने लगा। वह बार-बार कह रहा था कि उससे अनजाने में बहुत बड़ी गलती हो गई है।

जोरदार गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

- सेंसेक्स ने 236 अंकों का गोता लगाया

एजेंसी । मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार 12 दिसंबर 2024 को जोरदार गिरावट के साथ बंद हुआ. कारोबार के आखिर में बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 236.18 अंक या -0.29% का गोता लगाकर 81,289.96 अंक पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 93.10 अंक की जोरदार 0.35% फिसलकर 24,548.70 अंक पर पहुंच गया।

बीएसई में 18 शेयर धराशायी

बीएसई सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से 12 शेयर बढ़त और 18 शेयर नरमी के साथ बंद हुए. इसमें एनटीपीसी के शेयर को सबसे अधिक घाटा हुआ, जबकि टेक महिंद्रा का शेयर सबसे अधिक मुनाफे में रहा. गिरावट के साथ बंद होने वाले शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, लार्सन एंड टुब्रो, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से शामिल हैं।

एनएसई में एनटीपीसी को सबसे अधिक नुकसान

एनएसई के 2873 शेयरों में से 896 हरे निशान और 1904 शेयर लाल निशान पर रहे, जबकि 73 शेयरों में किसी प्रकार का बदलाव नहीं हुआ. इनमें एनटीपीसी को सबसे अधिक नुकसान हुआ. एनएसई में टूटने वाले दूसरे शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोल इंडिया, हीरो मोटर्स और बीपीसीएल शामिल हैं।

रुपए की कमजोर और सीपीआई आंकड़ों से गिरा शेयर बाजार

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर के अनुसार, “घरेलू सीपीआई आंकड़ों और कमजोर होते रुपये से पहले बाजार सीमित दायरे में रहा. हालांकि, मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद है, लेकिन निवेशक सब्जियों की कीमतों पर कड़ी नजर रख रहे हैं. यह भविष्य की ब्याज दरों की दिशा तय करेगी. इस बीच, अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों के उम्मीदों के मुताबिक रहने के बाद निफ्टी आईटी इंडेक्स एक नए उच्च स्तर पर पहुंच गया, जिससे अगले सप्ताह फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ गई है।”

एशिया के दूसरे बाजारों में बढ़त

एशिया के दूसरे बाजारों की बात करें, तो जापान के निक्केई 225, हांगकांग के हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और चीन के शंघाई कंपोजिट मजबूत हुए. यूरोपीय बाजार और अमेरिकी बाजारों में बढ़त का रुख बना हुआ है. वैश्विक तेल बाजार में ब्रेंट क्रूड 0.08% उछलकर 73.58 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

यूपीआई का हो गया कायाकल्प, बढ़ गया पेमेंट लिमिट

नई दिल्ली। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का प्रचलन भारत में काफी तेजी से बढ़ा है. आज की डेट में लाखों लोग रोजाना यूपीआई के माध्यम से पैसों का लेनदेन करते हैं. छोटे दुकानदारों और ग्राहकों के बीच यह काफी प्रचलित हुआ है. खासकर, पिछले एक साल के दौरान एनपीसीआई यानी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने इसका कायाकल्प ही कर दिया है. एनपीसीआई ने यूपीआई से संबंधित न केवल नियमों में बदलाव किया है, बल्कि कई स्तरों पर पेमेंट लिमिट को बढ़ाने का भी काम किया है।

यूपीआई पेमेंट लिमिट 1 लाख से बढ़कर 5 लाख

एनपीसीआई की ओर से हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2024 में यूपीआई के माध्यम से करीब 15,482 मिलियन लेनदेन किया गया है, जो करीब 21,55,187.4 करोड़ रुपये के बराबर है. इससे पहले एनपीसीआई ने अगस्त 2024 में यूपीआई से पेमेंट की लिमिट को 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने का ऐलान किया. इसके जरिए आप डायरेक्ट और इनडायरेक्ट टैक्सख् अस्पतालों में डॉक्टर की फीस और एजुकेशन फीस का भुगतान कर सकते हैं।

वाहन कलपुर्जा उद्योग पहली छमाही में 11 प्रतिशत बढ़कर 3.32 लाख करोड़ पर पहुंचा

नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा उद्योग चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 3.32 लाख करोड़ रुपये हो गया। उद्योग निकाय एक्मा ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पिछले साल की समान अवधि में वाहन कलपुर्जा उद्योग 2.98 लाख करोड़ रुपये का था। भारतीय वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एक्मा) की अध्यक्ष श्रद्धा सूरी मारवाह ने कहा कि सभी खंडों में वाहनों की बिक्री महामारी-पूर्व स्तर पर पहुंच गई है और निर्यात के मोर्चे पर भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद वाहन कलपुर्जा क्षेत्र ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में लगातार वृद्धि देखी है।

उन्होंने कहा कि त्योहारी मौसम में वाहन उद्योग के अधिकांश खंडों में अच्छी बिक्री हुई। हालांकि, वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में दोपहिया वाहनों ने आशाजनक वृद्धि दिखाई है वहीं यात्री वाहनों और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री अपेक्षाकृत मध्यम रही है। मारवाह ने कहा कि कलपुर्जा उद्योग घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों ग्राहकों के लिए प्रासंगिक बने रहने के लिए मूल्य संवर्धन, प्रौद्योगिकी उन्नयन और स्थानीयकरण के उद्देश्यों के लिए निवेश जारी रखे हुए है।

एलन मस्क ने रच दिया अमीरी का इतिहास

रॉकेट की रफ्तार से बढ़ी संपत्ति

- मस्क 400 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ वाले पहले व्यक्ति

वॉशिंगटन। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, स्पेसएक्स के फाउंडर और टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क 400 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ तक पहुंचने वाले इतिहास के पहले व्यक्ति बन गए हैं। स्पेसएक्स में हाल ही में हुई इंटरनल शेयर सेल और टेस्ला के शेयरों में तेजी से मस्क की नेटवर्थ बढ़ी है। शेयर सेल में एम्प्लॉइज और इनसाइडर्स से 1.25 बिलियन डॉलर मूल्य के शेयर खरीदना शामिल है। इस ट्रांजैक्शन से उनकी नेटवर्थ में लगभग 50 बिलियन डॉलर बढ़ी है। वहीं स्पेसएक्स का टोटल वैल्यूएशन लगभग 350 बिलियन डॉलर हो गया। यह वैल्यूएशन दुनिया की सबसे वैल्यूएबल प्राइवेट कंपनी के रूप में स्पेसएक्स की पोजीशन को मजबूत करता है।

6 महीने में 140% चढ़ा टेस्ला का शेयर

टेस्ला का शेयर बुधवार को 5.93% की तेजी के साथ 424 डॉलर पर बंद हुआ। बीते एक महीने में शेयर में करीब 30% की तेजी आई है। वहीं बीते 6 महीने में शेयर 140% चढ़ा है।

अमेरिकी चुनावों में रिपब्लिकन उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद उनके सबसे बड़े सपोर्टर इलॉन मस्क की नेटवर्थ काफी तेजी से बढ़ी है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, इलेक्शन रिजल्ट के तुरंत बाद मस्क की नेटवर्थ 26.5 बिलियन डॉलर बढ़कर 290 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई थी। ट्रंप के इलेक्शन कैंपेन में मस्क ने 119 बिलियन डॉलर (करीब 10 लाख करोड़ रुपए) खर्च किया और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर उनके सपोर्ट में कैंपेन और प्रमोशन किया।

डी गुकेश ने छोटी सी उम्र में बना दिया कीर्तिमान

चीनी खिलाड़ी डिंग लिरेन को पछाड़ चेस में बने सबसे युवा वर्ल्ड चैंपियन

एजेंसी | सिंगापुर

भारत ने वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। भारत के शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश वर्ल्ड चैंपियन बन गए हैं। गुकेश डी ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर गुकेश चीन के डिंग लिरेन को 14वीं और अंतिम बाजी में हराया और वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। गुकेश विश्वनाथन आनंद के बाद यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं। वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद गुकेश अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके और आंखों से खुशी के आंसू निकलने लगे। गुकेश इस साल की शुरुआत में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद विश्व खिताब के लिए चुनौती पेश करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे।

चीन के डिंग लिरेन का सपना टूटा

एक पखवाड़े तक चले इस वर्ल्ड चेस टूर्नामेंट के दौरान गुकेश ने कमाल का खेल दिखाया और कई बार पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। अंत में 14वीं बाजी अपने नाम करते हुए इतिहास रच दिया। चीन के लिरेन ने 2023 में रूस के इयान नेपोमनियाची के खिलाफ उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में जीत के साथ वर्ल्ड चैंपियन बने थे लेकिन इस बार गुकेश ने उनका सपना तोड़ दिया। गुकेश से पहले रूस के दिग्गज गैरी कास्पारोव सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चेस चैंपियन बने थे, जब उन्होंने 1985 में अनातोली कार्पोव को हराकर 22 साल की उम्र में खिताब जीता था। इस साल की शुरुआत में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद गुकेश ने विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर के रूप में मैच में प्रवेश किया था। वह दिग्गज विश्वनाथन आनंद के बाद ये खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन आनंद ने आखिरी बार 2013 में ये खिताब जीता था।

दिसंबर में शुरू हुई थी गुकेश की वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच की यात्रा

गुकेश की वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच की यात्रा पिछले साल दिसंबर में शुरू हुई जब उन्होंने चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट जीतकर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाई थी। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में फाबियानो कारूआना और हिकारू नाकामुरा की अमेरिकी जोड़ी को प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन गुकेश ने सभी को पछाड़ते हुए कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर शतरंज की दुनिया में तूफान मचा दिया था और इनमें आर प्रज्ञानानंदा भी शामिल थे।

प्रवीण तांबे गुजरात जायंट्स टीम के बने कोच

एजेंसी | मुंबई

प्रवीण तांबे ने 41 साल की उम्र में इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए डेब्यू किया था। अब वुमेंस प्रीमियर लीग से पहले तांबे गुजरात जायंट्स टीम के बॉलिंग कोच बने हैं। वो 2025 सीजन में ये जिम्मेदारी निभाएंगे। इतना ही नहीं, गुजरात फ्रेंचाइजी ने डेनिएल मार्श को नया बैटिंग कोPravin Tambe: 41 साल की उम्र में आईपीएल में डेब्यू करने वाले प्रवीण तांबे अब गुजरात जायंट्स टीम के बॉलिंग कोच बने हैं। च बनाया है जबकि माइकल क्लिंजर जो पिछले सीजन में गुजरात टीम से जुड़े थे, वो टीम के हेड कोच रहेंगे।

41 साल में किया था IPL डेब्यू

प्रवीण तांबे तब चर्चा में आए थे, जब उन्होंने 41 साल की उम्र में राजस्थान रॉयल्स के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पदार्पण किया। उनके पास कोचिंग का भी अच्छा खासा अनुभव है। इससे पहले, उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसी आईपीएल टीमों के साथ काम किया है। मार्श ने 2013 से 2017 तक तस्मानिया मेंस टीम के मुख्य कोच के रूप में काम किया और 2022 में उन्हें ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया था। क्लिंजर के पिछले कार्यकालों में बिग बैश लीग में मेलबर्न रेनेगेड्स और महिला बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के मुख्य कोच के रूप में काम करना शामिल है। इस साल की शुरुआत में, उन्हें द हंड्रेड में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स महिला टीम का मुख्य कोच बनाया गया था।

क्या कहा क्लिंजर ने ?

गुजरात जायंट्स टीम का कोच बनने पर क्लिंजर ने कहा, 'हमने पिछले सीज़न में ठोस आधार तैयार किया था, और मैं टीम में बनाए गए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ इसे और बेहतर बनाने के लिए उत्साहित हूं। हमारा ध्यान जीतने की मानसिकता को बढ़ावा देने और एक टीम के रूप में हम जो हासिल कर सकते हैं उसकी सीमाओं को आगे बढ़ाने पर है। पिछले WPL सीज़न से हमारे गुजरात जायंट्स के इतने सारे खिलाड़ियों को भारत का प्रतिनिधित्व करते देखना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद है।'

डीडीसीए चुनावों में रोहन जेटली और कीर्ति आजाद होंगे आमने-सामने

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के शुक्रवार से शुरू हो रहे तीन दिवसीय चुनावों में अध्यक्ष पद के लिए मौजूदा अध्यक्ष अरुण जेटली और पूर्व भारतीय क्रिकेटर कीर्ति आजाद के बीच मुकाबला होगा। परिणाम 16 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। जेटली की अगुआई वाली समिति का चुनाव में मतदान करने वाले 3748 सदस्यों के बीच खासा दबदबा है। भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य और बर्धमान-दुर्गापुर निर्वाचन क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के मौजूदा सांसद आजाद को डीडीसीए में बदलाव का भरोसा है। चुनाव से पहले 65 वर्षीय आजाद ने मौजूदा पदाधिकारियों पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। आजाद ने कहा था, 'परिवर्तन निरंतर होता है। अगर कोई बदलाव नहीं है तो जीवन में कुछ भी नहीं है। मुझे पूरा भरोसा है। लोग बदलाव चाहते हैं और यह बदलाव आने वाला है।'

पाकिस्तानी टीम के कोच की हुई छुट्टी

एजेंसी | इस्लामाबाद

सीरीज से 14 दिन पहले PCB ने निकाला

पाकिस्तान क्रिकेट टीम इस वक्त साउथ अफ्रीका दौरे पर है, जहां उसका सामना मेजबान टीम से हो रहा है। दोनों टीमों के बीच फिलहाल टी20 सीरीज खेली जा रही है, जिसके बाद वनडे सीरीज होगी और फिर बारी आएगी टेस्ट सीरीज की, जो 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होगी। मगर इस टेस्ट सीरीज से 2 हफ्ते पहले ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए टीम के असिस्टेंट कोच टिम नीलसन को हटा दिया है। नीलसन पाकिस्तान के टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी के असिस्टेंट के तौर पर काम कर रहे थे, जिसके बाद अब गिलेस्पी के भविष्य को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

अगस्त में कोच बनाया, अब हटाया

ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी ने टिम नीलसन के कॉन्ट्रेक्ट को रिन्यू नहीं किया है और उन्हें हटा दिया है। पीसीबी ने इस साल अगस्त में ही पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर नीलसन को असिस्टेंट कोच के तौर पर नियुक्त किया था, जहां वो मुख्य रूप से टेस्ट टीम में जेसन गिलेस्पी के साथ मिलकर काम कर रहे थे। उनका कॉन्ट्रेक्ट ऑस्ट्रेलिया दौरे के साथ ही खत्म हो गया था लेकिन साउथ अफ्रीका के साथ होने वाली टेस्ट सीरीज और फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज को देखते हुए उन्हें बरकरार रखे जाने की उम्मीद की जा रही थी मगर ऐसा नहीं हुआ है। रिपोर्ट में नीलसन के हवाले से दावा किया गया है कि उन्होंने टीम के साथ अच्छा सुधार किया था और उन्हें कॉन्ट्रेक्ट आगे बढ़ाए जाने की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ और बोर्ड ने उन्हें साफ कह दिया कि उनकी सेवाओं की जरूरत आगे नहीं है।

गिलेस्पी का भविष्य भी अधर में

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पीसीबी ने इस फैसले को लेकर गिलेस्पी से भी कोई सलाह नहीं ली और यहां तक कि उन्हें इसके बारे में बताया भी नहीं गया, जिससे गिलेस्पी नाखुश हैं। ऐसे में वो भी अब पाकिस्तानी टीम के साथ बने रहने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं।पिछले महीने ही ये खबरें भी आई थीं कि पाकिस्तानी बोर्ड ने गिलेस्पी को हटाने की तैयारी में थी। तब ये दावा किया गया था कि ऑस्ट्रेलिया में वनडे और टी20 सीरीज खत्म होने के साथ ही उन्हें हटा दिया जाएगा। वनडे-टी20 कोच गैरी कर्स्टन के इस्तीफे के बाद पीसीबी ने गिलेस्पी को इस सीरीज में भी कोच बने रहने के लिए मनाया था, जबकि वो सिर्फ टेस्ट टीम के कोच हैं।

गाबा टेस्ट के पांचों दिन बारिश के आसार

एजेंसी | ब्रिस्बेन

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप-2023-25 में भारत की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। दरअसल, भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 14 दिसंबर से होने जा रहे गाबा टेस्ट के पांचों दिन ब्रिस्बेन में बारिश के आसार हैं। अगर गाबा टेस्ट के दौरान बारिश होती है और मैच ड्रॉ हो जाता है, तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की रेस में भारत की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी, क्योंकि यहां से फाइनल पहुंचने के लिए टीम इंडिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष सभी मुकाबले जीतना जरूरी हो जाएगा। फिलहाल, BGT एक-एक की बराबरी पर चल रही है। पिछला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेट में 10 विकेट से जीता था, जबकि भारत ने पर्थ टेस्ट को 295 रनों से अपने नाम किया था। मौसम वेबसाइट accu weather के अनुसार, ब्रिस्बेन में 14 दिसंबर को सबसे ज्यादा 88% बारिश होने के चांस हैं। मैच के दूसरे दिन 49% और चौथे दिन 42% बारिश के आसार हैं। तीसरे और पांचवें दिन भी 25-25% बारिश के अनुमान हैं। WTC पॉइंट्स टेबल में भारत तीसरे स्थान पर है। साउथ अफ्रीका पहले और ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। यहां से साउथ अफ्रीका के फाइनल में पहुंचने के सबसे ज्यादा चांस हैं। यदि गाबा टेस्ट ड्रॉ होता है, तो टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के साथ पॉइंट्स बांटने पड़ेंगे। इतना ही नहीं, पॉइंट्स टेबल की मौजूदा स्थिति के अनुसार, भारत को अपने दम पर WTC फाइनल में जगह बनाने के लिए अगले तीनों मैच जीतने होंगे।

SA20 लीग में इम्पैक्ट प्लेयर रूल के खिलाफ जैक कैलिस

एजेंसी | केपटाउन

साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक कैलिस SA20 लीग में इम्पैक्ट प्लेयर रूल के खिलाफ हैं। वे नहीं चाहते है कि इस लीग में यह रूल लाया जाए।SA20 के तीसरे सीजन पहले लीग के एंबेसडर जैक कैलिस ने मीडिया से बातचीत में कहा, मुझे इम्पैक्ट प्लेयर रूल पसंद नहीं है क्योंकि मुझे लगता है कि यह ऑलराउंडर्स के मौके को कम कर देता है। हम साउथ अफ्रीका में ऑलराउंडर तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं, और यह नियम उस भूमिका को कम करता है। इसलिए मैं इसे SA20 में नहीं देखना चाहूंगा।

खिताब का बचाव कर सकती है ईस्टर्न केप

बातचीत के दौरान कैलिस ने कहा, सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए लगातार तीसरे सीजन में खिताब का बचाव करना मुश्किल होने वाला है। वे दूसरी बार इसे बचाने में कामयाब रहे, जो एक शानदार था। तीसरी बार ऐसा करना और भी मुश्किल होगा क्योंकि अब हर टीम इसके लिए आपके पीछे होगी। ईस्टर्न केप की योजना अच्छी रही है, और उनके पास एक शांत कोच है जो टीम के साथ बहुत अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

SA20 के शुरुआती दोनों सीजन सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने जीते

इस लीग के शुरुआती दोनों सीजन ऐडन मार्करम की कप्तानी वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप की टीम ने जीते हैं। पहले सीजन में ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को हराकर खिताब जीता था। जबकि पिछले सीजन टीम ने डरबन सुपर जायंट्स को फाइनल में मात देकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी उठाई।

अक्षय कुमार स्टंट करते हुए चोटिल

पिछली बार अक्षय कुमार फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आए थे, जिसमें वह जबरदस्त एक्शन करते दिखाई दिखाई दिए और उनकी खूब तारीफ भी हुई थी। अब अक्षय जल्द ही फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म सुपरहिट फ्रैंचाइजी 'हाउसफुल' की पांचवीं किस्त है। इन दिनों अक्षय मुंबई में इसकी शूटिंग कर रहे हैं। अब खबर आ रही है कि 'हाउसफुल 5' के लिए स्टंट करते समय अक्षय हाल ही में एक हादसे का शिकार हो गए।

फिलहाल ठीक हैं अक्षय

रिपोर्ट के मुताबिक, 'हाउसफुल 5' के सेट पर अक्षय के साथ एक हादसा हो गया। एक स्टंट करते समय उनकी आंख में चोट लग गई। सेट पर तुरंत डॉक्टर को बुलाया गया। उनकी आंख पर पट्टी बांधी गई और उन्हें कुछ समय आराम करने की सलाह दी गई। उधर दूसरे कलाकारों के फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू हो गई। हालांकि, चोट के बावजूद अक्षय जल्द ही शूटिंग में जुटेंगे, क्योंकि फिल्म अपने अंतिम चरण में है।

ये सितारे भी हैं फिल्म का हिस्सा

'हाउसफुल 5' 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। इसके निर्देशन की कमान तरुण मनसुखानी ने संभाली है। साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं। अक्षय के साथ इस फिल्म में रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, श्रेयस तलपड़े, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर और डिनो मोरिया जैसे सितारे अभिनय करने वाले हैं। इसके अलावा जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, चित्रांगदा सिंह और सौंदर्या शर्मा जैसी अभिनेत्रियां भी फिल्म का हिस्सा हैं।

रजनीकांत के जन्मदिन पर प्रशंसकों को मिला तोहफा

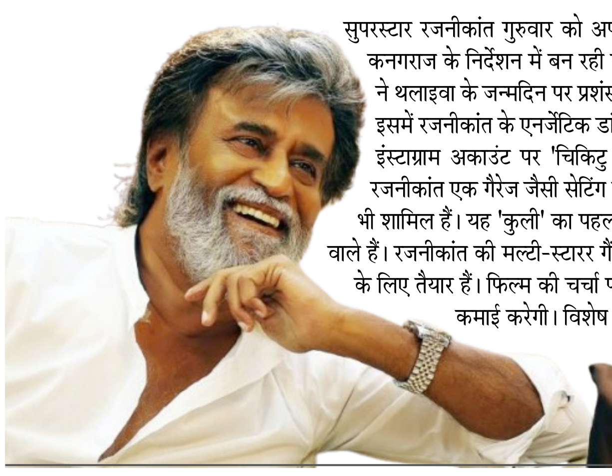

सुपरस्टार रजनीकांत गुरुवार को अपना 74वां जन्मदिन मनाया। अभिनेता इन दिनों साउथ फिल्म निर्देशक लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कुली' की शूटिंग में व्यस्त हैं। वहीं, अब फिल्म के निर्माताओं ने थलाइवा के जन्मदिन पर प्रशंसकों को खास तोहफा दिया है। 'कुली' का गाना 'चिकिटु वाइब' रिलीज हो गया है। इसमें रजनीकांत के एनर्जेटिक डांस मूव्स देखते ही बन रहे हैं। प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'चिकिटु वाइब' गाना जारी किया है। यह अनिरुद्ध रविचंदर की रचना है। वीडियो में रजनीकांत एक गैरेज जैसी सेटिंग में दिल खोलकर थिरकते नजर आ रहे हैं। इसमें उनके साथ सौ जूनियर कलाकार भी शामिल हैं। यह 'कुली' का पहला गाना है। वहीं, इसके बोल और म्यूजिक दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर देने वाले हैं। रजनीकांत की मल्टी-स्टारर गैंगस्टर एक्शन ड्रामा 'कुली' के निर्माता फिल्म को 1 मई, 2025 को रिलीज करने के लिए तैयार हैं। फिल्म की चर्चा पहले से ही तेज है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि 'कुली' अपनी ओपनिंग पर तगड़ी कमाई करेगी। विशेष रूप से यह फिल्म लंबे समय के बाद निर्देशक लोकेश कनगराज की स्टैंडअलोन फिल्म भी है। निर्देशक की पिछली फिल्में 'कैथी', 'विक्रम' और 'लियो' उनके लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा थीं। तेलुगु स्टार अक्किनेनी नागार्जुन, 'मंजुम्मेल बॉयज' फेम सौबिन शाहिर, श्रुति हासन और कन्नड़ स्टार उपेंद्र जैसे कलाकार भी गैंगस्टर एक्शन ड्रामा का हिस्सा हैं।

कीर्ति सुरेश ने बॉयफ्रेंड एंटनी थाटिल से रचाई शादी

दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री कीर्ति सुरेश एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, कीर्ति अपने बॉयफ्रेंड और व्यवसायी एंटनी थाटिल के साथ शादी के बंधन में बंध चुकी हैं। दोनों पिछले 15 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। दोनों ने 12 दिसंबर को गोवा में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए। अब कीर्ति और एंटनी की शादी की तस्वीरें सामने आ चुकी हैं।

प्रशंसकों को पसंद आई दोनों की जोड़ी

तस्वीरों में कीर्ति और एंटनी की जोड़ी बेहद खूबसूरत लग रही है। दोनों एक-दूसरे को मुस्कुरा रहे हैं। अपनी शादी के दिन कीर्ति ने लाल रंग की साड़ी पहनी है, वहीं एंटनी सफेद धोती पहने नजर आ रहे हैं। कीर्ति ने बीते 27 नवंबर को एंटनी के साथ अपना रिश्ता सार्वजनिक किया था। एंटनी केरल के कोच्चि के रहने वाले हैं। वह जाने-माने व्यवसायी हैं। एंटनी केरल की एक प्रमुख रिसॉर्ट चेन के मालिक भी हैं।

बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहीं मिस यूनिवर्स हरनाज संधू

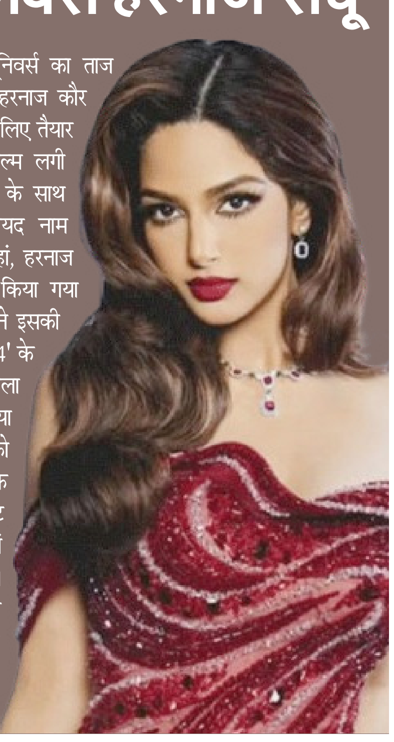

साल 2021 में मिस यूनिवर्स का ताज अपने नाम करनी वाली हरनाज कौर संधू बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तैयार हैं। उनके हाथ हिंदी फिल्म लगी है। हरनाज टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। शायद नाम आप समझ गए हों! जी हां, हरनाज को 'बागी 4' में साइन किया गया है। फिल्म के निर्माताओं ने इसकी पुष्टि की है। फिल्म 'बागी 4' के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने हरनाज को साइन किया है। आज गुरुवार को नाडियाडवाला ग्रैंडसन के इंस्टाग्राम पेज से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें हरनाज की तस्वीर है। इसके साथ लिखा है, 'मिस यूनिवर्स से बागी यूनिवर्स तक! हम आपको नई प्रतिभा से मिला रहे हैं।

एक देश-एक चुनाव बिल कैबिनेट से मंजूर

न्यूज़ ब्रीफ

वाईएसआरसीपी नेता श्रीनिवास राव ने पार्टी छोड़ी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पूर्व पर्यटन मंत्री और वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता एम श्रीनिवास राव (अवंति) ने गुरुवार को वाईएस जगन मोहन रेड्डी की अगुवाई वाली पार्टी छोड़ दी। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी संगठन में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के लिए कोई सम्मान नहीं है। पार्टी से इस्तीफा देने के अलावा राव ने भीमिली विधानसभा क्षेत्र संबंधी जिम्मेदारी का भी परित्याग कर दिया।

इंजीनियरिंग के छात्र ने की आत्महत्या

श्रीकाकुलम। आंध्र प्रदेश में आईआईआईटी-श्रीकाकुलम के सिविल इंजीनियरिंग के 18 वर्षीय छात्र ने गुरुवार तड़के कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। श्रीकाकुलम जिले के पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि राज्य के प्रकाशम जिले का छात्र छात्रावास की तीसरी मंजिल से कूद गया। छात्रों और छात्रावास के कर्मचारियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। वहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग का मामला प्रकाश में आया है।

अमित शाह के दौरे से पहले 7 नक्सली ढेर

बस्तर। बस्तर में अमित शाह के दौरे से पहले अबूझमाड़ के रेकावाया इलाके में सुरक्षाबलों ने 7 नक्सलियों को मार गिराया है। इनके शव भी बरामद कर लिए गए हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि की है। मारे गए 7 नक्सलियों में 2 महिला और 5 पुरुष हैं।

हाथरस के पीड़ित परिवार से फिर मिले राहुल गांधी

हाथरस। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी आज एक बार फिर हाथरस पहुंचे। बता दें कि यहां हाथरस के पीड़ित परिवार से राहुल गांधी ने फिर से मुलाकात की। इसे लेकर राहुल गांधी ने एक्स पर बयान दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'आज हाथरस जाकर 4 साल पहले हुई शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना के पीड़ित परिवार से मिला। मुलाक़ात के दौरान उन्होंने जो बातें बताई उसने मुझे झकझोर कर रख दिया। पूरा परिवार आज भी डर के साए में जी रहा है। उनके साथ क्रिमिनल्स के जैसा व्यवहार किया जा रहा है। वे स्वतंत्र रूप से कहीं आ-जा नहीं सकते हैं - उन्हें हर समय बंदूक और कैमरों की निगरानी में रखा जाता है।'

विजय दिवस समारोह में शामिल हो सकता है बांग्लादेश का प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता। बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल 16 दिसंबर को कोलकाता के फोर्ट विलियम में होने वाले विजय दिवस समारोह में भाग ले सकता है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि समारोह में मुक्ति योद्धा भी भाग ले सकते हैं। ये वो योद्धा हैं, जिन्होंने 1971 में पूर्वी पाकिस्तान की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी। 16 दिसंबर 1971 को भारतीय सेना के सामने पूर्वी पाकिस्तान के 93,000 सैनिकों ने आत्म-समर्पण कर दिया था। इसके साथ ही बांग्लादेश का जन्म हुआ था। मुक्ति योद्धाओं का प्रतिनिधिमंडल हर साल भारतीय सेना के पूर्वी कमान की ओर से कोलकाता में आयोजित होने वाले विजय दिवस समारोह में भाग लेता है।

▸▸ अगले हफ्ते संसद में लाया जाएगा

▸▸ पास हुआ तो 2029 तक एक साथ देशभर में चुनाव

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय कैबिनेट से एक देश-एक चुनाव लागू करने के विधेयक को मंजूरी मिल गई है। न्यूज एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। इसमें कहा गया है कि अगले हफ्ते बिल को संसद में पेश किया जा सकता है। सरकार इस बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है, लिहाजा संसद से बिल को चर्चा के लिए जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (JPC) के पास भेजा जाएगा। JPC इस बिल पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेगी।

हाईलेवल कमेटी की सिफारिशों को मंजूरी

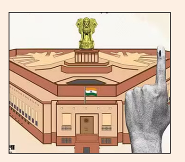

सितंबर में सरकार ने इसके लिए बनाई गई हाईलेवल कमेटी की सिफारिशों को मंजूरी दी थी, जिसमें लोकसभा, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों को चरणबद्ध तरीके से एक साथ कराने का प्रस्ताव था। सिफारिशों के अनुसार पहला बिल संविधान के अनुच्छेद 82A में संशोधन करेगा, जिससे लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल की समाप्ति एक साथ हो सके। इस बिल को लागू करने के लिए राज्यों से सहमति की जरूरत नहीं होगी, लेकिन अगर स्थानीय निकाय चुनावों को लोकसभा और विधानसभा चुनावों के साथ करने का प्रस्ताव आता है, तो उसे कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों की विधानसभाओं से मंजूरी की आवश्यकता होगी।

मुख्यमंत्रियों ने किया विरोध

यह भाजपा का एजेंडा, इसके प्रभाव समझने जरूरी : सोरेन

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 'एक देश एक चुनाव' को भाजपा का एजेंडा बताया। उन्होंने कहा कि एनडीए पास बहुमत है और वे कोई भी निर्णय ले सकते हैं। लेकिन एक देश एक चुनाव के प्रभावों और परिणामों को देखने की जरूरत है। यह भाजपा का एजेंडा है। वे अपने एजेंडे पर काम करेंगे और हम अपने एजेंडे पर काम करेंगे।

लोकतंत्र को कमजोर करने का हो रहा प्रयास : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार के कदम को असांविधानिक और संघीय व्यवस्था के खिलाफ करार दिया। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित विधेयक एक देश, एक चुनाव सत्ता को केंद्रीकृत करने और भारत के लोकतंत्र को कमजोर करने का एक प्रयास है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विधेयक को नेकर विशेषज्ञों और विपक्षी नेताओं द्वारा उठाई गई चिंताओं को नजरअंदाज किया गया है। यह कोई सोच समझकर किया गया सुधार नहीं है। यह भारत के लोकतंत्र और संघीय ढांचे को कमजोर करने के लिए बनाया गया सत्तावादी थोपना है।

संघवाद को नष्ट करेगा विधेयक : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'एक देश एक चुनाव' विधेयक पेश करने को मंजूरी दे दी। यह अव्यवहारिक और लोकतंत्र विरोधी कदम है। यह क्षेत्रीय आवाजों को मिटा देगा। संघवाद को नष्ट कर देगा और शासन को बाधित करेगा। उठो भारत, आइए हम भारतीय लोकतंत्र पर इस हमले का पूरी ताकत से विरोध करें।

बिल पास हुआ तो 2029 तक वन नेशन-वन इलेक्शन

- ▸▸ कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक देश-एक चुनाव लागू करने के लिए कई राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल घटेगा।
- ▸▸ जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव 2023 के आखिर में हुए हैं, उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।
- ▸▸ विधि आयोग के प्रस्ताव पर सभी दल सहमत हुए तो यह 2029 से ही लागू होगा। इसके लिए दिसंबर 2026 तक 25 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने होंगे।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रिपोर्ट सौंप चुके

वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितंबर 2023 को एक पैनल बनाया गया था। इस पैनल ने स्टेकहोल्डर्स-एक्सपर्ट्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च के बाद 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

JNU में 'द साबरमती रिपोर्ट' की स्क्रीनिंग के दौरान बवाल

▸▸ धक्का-मुक्की और पथराव हुआ

▸▸ ABVP ने फिल्म की स्क्रीनिंग रखी थी

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (JNU) में फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की स्क्रीनिंग के दौरान बवाल हो गया। ABVP ने इस फिल्म की स्क्रीनिंग रखी थी। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक इस दौरान कुछ छात्रों ने पथराव किया। उन्होंने यूनिवर्सिटी में लगाए गए फिल्म के पोस्टर फाड़ दिए। एक छात्र ने मीडिया को बताया कि यह फिल्म एक तरफा कहानी दिखती है। इसमें ये दिखाया गया है कि गोधरा कांड के बाद क्या हुआ, लेकिन ये नहीं दिखाया गया है कि पहले क्या हुआ था, जिसकी वजह से गोधरा जैसा हादसा हुआ।

गोधरा कांड और उसके बाद हुए गुजरात दंगों पर आधारित है फिल्म

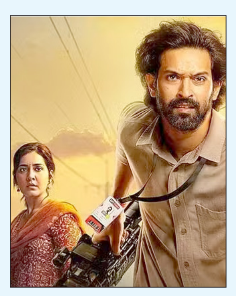

ये फिल्म 2002 के गोधरा कांड और उसके बाद हुए गुजरात दंगों पर आधारित है। जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त नरेंद्र मोदी गुजरात के CM थे। मोदी पर यह आरोप भी लगे कि उन्होंने दंगों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए। हालांकि बाद में उन्हें क्लीन चिट दे दी गई थी। PM नरेंद्र मोदी ने 2 दिसंबर को फिल्म द साबरमती रिपोर्ट देखी थी। संसद के बालयोगी ऑडिटोरियम में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी। फिल्म देखने गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई मंत्री-सांसद और एक्टर्स भी पहुंचे थे। स्क्रीनिंग के बाद PM मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर फिल्म के मेकर्स की तारीफ की। उन्होंने लिखा- 'द साबरमती रिपोर्ट' की स्क्रीनिंग में साथी एनडीए सांसदों के साथ शामिल हुए। मैं फिल्म के मेकर्स का उनके प्रयासों के लिए सराहना करता हूं।

लिंगायत समुदाय के आरक्षण को लेकर कर्नाटक विधानसभा में हंगामा

▸▸ भाजपा विधायकों ने फाड़े कागजात

एजेंसी | बेलगावी

कर्नाटक विधानसभा में पंचमसाली समुदाय के आरक्षण को लेकर चल रही चर्चा के बीच भाजपा विधायकों ने हंगामा किया। लिंगायत समुदाय पर किए गए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाने से रोकने पर भाजपा विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर का विरोध किया। विधायकों ने सदन में हंगामा करते हुए कागजात फाड़ डाले। इसके बाद भाजपा विधायकों ने विस अध्यक्ष कक्ष में जाकर कड़ी आपत्ति जताई। विधानसभा में चर्चा के दौरान पंचमसाली लिंगायत समुदाय से आने वाले कांग्रेस विधायक विजयानंद कशप्पनवर ने चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण को खत्म करने और इसे लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों के बीच समान रूप से आवंटित करने के पिछली भाजपा सरकार के फैसले का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने चुनाव के लिए आरक्षण की घोषणा की, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वे इसे आगे नहीं बढ़ाएंगे। इस पर भाजपा विधायकों ने आपत्ति जताई। विधायकों ने कहा कि चर्चा मंगलवार को विधानसभा के पास पंचमसाली लिंगायत समुदाय की ओर से आरक्षण की मांग को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शन पर हो रही है। आरक्षण की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पथराव किया गया और बाद में पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

केजरीवाल का सियासी दांव

▸▸ महिलाओं को मिलेंगे 2100 रुपए महीना

एजेंसी | नई दिल्ली

जिस स्कीम के चलते देश के कई राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियों ने दोबारा सरकार में वापसी की, महिलाओं के खाते में पैसा भेजने वाली उसी जादुई कैश ट्रांसफर स्कीम को अब दिल्ली में भी लागू कर दिया गया है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को दिल्ली में 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' शुरू करने की घोषणा की।

उन्होंने बताया कि इसके तहत महिलाओं को 1 हजार रुपए की मासिक सहायता राशि दी जाएगी। साथ ही उन्होंने चुनाव के बाद इस राशि को बढ़ाकर 2,100 रुपए करने का वादा किया। इस योजना को लागू भले ही अब किया जा रहा हो, लेकिन इसकी घोषणा पहले ही कर दी गई थी। साथ ही उस वक्त इस योजना का लाभ पाने के लिए निर्धारित की गई शर्तें भी बताई गई थीं। यानी इस योजना का लाभ दिल्ली में रहने वाली हर महिला को नहीं मिलेगा, बल्कि केवल उन्हीं महिलाओं को मिलेगा जो इसकी पात्रता की शर्तें पूरी करती हैं। महिला एवं बाल विकास ने इस योजना का जो ड्राफ्ट तैयार किया था, उसके अनुसार इस योजना का फायदा केवल उन्हीं महिलाओं को मिल सकेगा जिनका नाम दिल्ली की मतदाता सूची में शामिल है। यानि 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' का फायदा पाने के लिए पहली शर्त दिल्ली का वोटर होना जरूरी है।

सम्मान राशि योजना का फायदा लेने के लिए शर्तें

- ▸▸ कम से कम 18 वर्ष की आयु होना जरूरी।
- ▸▸ 12.12.2024 को वैध मतदाता पहचान पत्र के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की निवासी होनी चाहिए।

इनको नहीं मिलेगा सम्मान राशि योजना का फायदा

- ▸▸ भूतपूर्व या वर्तमान स्थायी सरकारी कर्मचारी (केंद्र सरकार, राज्य सरकार या स्थानीय निकाय)।
- ▸▸ वर्तमान या पूर्व निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक या पार्षद)।
- ▸▸ कोई भी महिला जिसने पिछले वित्तीय वर्ष में आयकर का भुगतान किया हो।
- ▸▸ GNCTD की 3 सामाजिक सुरक्षा वित्तीय सहायता योजनाओं अर्थात विकलांगता पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन और संकटग्रस्त महिलाओं को वित्तीय सहायता योजना की लाभार्थी हो।

बजट में की थी मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की घोषणा

इससे पहले मार्च में प्रस्तुत वित्त वर्ष 2024-25 के अपने बजट में आम आदमी पार्टी नीत सरकार ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की घोषणा की थी, जिसमें 2,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ 18 साल से अधिक उम्र की प्रत्येक पात्र महिला को 1,000 रुपए प्रति माह भुगतान करने का वादा किया गया था।

मंदिर-मस्जिद विवादों पर देशभर की कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट ने कार्यवाही से रोका

▸▸ केंद्र से 4 हफ्ते में जवाब तलब

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को देशभर की सभी अदालतों को तब तक के लिए मौजूदा धार्मिक संरचनाओं के खिलाफ लंबित मुकदमों में सर्वेक्षण सहित कोई भी प्रभावी अंतरिम या अंतिम आदेश पारित करने से रोक दिया है, जब तक कि पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम के पक्ष और विपक्ष में दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई पूरी नहीं हो जाती है। इतना ही नहीं, शीर्ष अदालत ने देशभर में धार्मिक स्थल के परिसरों के सर्वेक्षण की मांग को लेकर नये वाद (मुकदमा) पंजीकृत करने पर भी रोक लगा दी है।

दाखिल याचिकाओं पर विचार करते हुए यह आदेश दिया

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और केवी विश्वनाथन की विशेष पीठ ने पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के वैधानिकता को चुनौती देने और इसे बनाए रखने की मांग को लेकर दाखिल याचिकाओं पर विचार करते हुए यह आदेश दिया है। पीठ ने अपने आदेश में कहा है कि 'चूंकि मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए अगले आदेश तक देशभर में किसी भी धार्मिक स्थलों के सर्वेक्षण या स्थितियों में बदलाव की मांग को लेकर नये वाद (मुकदमा) दाखिल किए जा सकते हैं, लेकिन उसे न तो पंजीकृत किया जाएगा और न ही उस कर किसी तरह की कोई अदालती कार्यवाही होगी। इतना ही नहीं, पीठ ने कहा है कि लंबित मुकदमों में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी होने तक सर्वेक्षण के आदेश सहित कोई भी प्रभावी अंतरिम आदेश या अंतिम आदेश पारित नहीं करेंगे।

केंद्र सरकार 4 सप्ताह में दाखिल करें अपना जवाब- सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को 4 सप्ताह के भीतर पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम-1991 की संवैधानिकता को चुनौती देने और इस कानून को प्रभावी बनाए रखने की मांग वाली याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने और जवाबी हलफनामे की प्रति को एक वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया है, जहां से मामले में शामिल कोई पक्षकार इसे डाउनलोड कर सकता है।

यह है मामला

सुप्रीम कोर्ट में पूजा स्थल विशेष प्रावधान अधिनियम 1991 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग को लेकर 2020 में दाखिल याचिका दाखिल की गई थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2021 में केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर पक्ष रखने को कहा था। इसके बाद, इस कानून को बनाए रखने और असंवैधानिक घोषित करने की मांग को लेकर कई अन्य याचिकाएं दाखिल की गई। पूजा स्थल अधिनियम 1991 के तहत धार्मिक संरचनाओं के संबंध में 15 अगस्त, 1947 को यथास्थिति बनाए रखने और उसमें किसी भी तरह के बदलाव के कार्यवाही पर रोक लगाती है।

पीएम आवास योजना के तहत छह लाख घरों के निर्माण को मंजूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

शहरों में निर्धन और मध्यम वर्ग को आवास उपलब्ध कराने के लिए पीएम आवास योजना के तहत केंद्र सरकार ने पहले चरण में छह लाख से अधिक घरों के निर्माण को लेकर सैद्धांतिक सहमति दे दी है। पीएम आवास योजना के दूसरे चरण में शहरों में पांच साल में एक करोड़ घर बनने हैं। योजना के क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार के साथ लगभग सभी राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा है कि लगभग सभी राज्यों से घर के प्रस्ताव मिले हैं। राज्यों में लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया अगले साल के शुरुआत में आरंभ हो जाएगी।

एफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी तैयार

डिमांड सर्वे और उनका प्रमाणन अगले मार्च तक पूरा कर लिए जाने की योजना है। इसके साथ ही राज्यों को मार्च तक ही अपने यहां एफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी तैयार कर लेनी है, जो कि पीएम आवास योजना के लिए किए गए एमओयू की एक अनिवार्य शर्त है। छह लाख घरों के निर्माण के साथ ही केंद्र सरकार किरायेदारी के मॉडल वाली एफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग पर भी इस बार काफी जोर दे रही है। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर और कम आय वर्ग के उन लोगों को किराये पर आवास उपलब्ध कराए जाएंगे जो घर नहीं खरीदना चाहते हैं।

'न झुकेंगे, न दबेंगे'

सभापति ने किया शक्ति का दुरुपयोग: खरगे

एजेंसी | नई दिल्ली

इस समय संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। इस दौरान संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा भी देखने को मिला है। इस बीच राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्षी दलों ने हाल के दिनों में अविश्वास प्रस्ताव की पेशकश की थी। इस प्रस्ताव पर विपक्ष के 60 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। हालांकि, पक्ष का कहना है कि हमारे पास बहुमत है और ये अविश्वास प्रस्ताव सफल नहीं हो सकेगा। इस बीच विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ पर हलावर नजर आए। मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि हम संविधान के सिपाही तथा रक्षक के तौर पर हमारा निश्चय और ज़्यादा दृढ़ हो जाता है। हम न झुकेंगे, न दबेंगे, न रुकेंगे और संविधान, संसदीय मर्यादाओं तथा प्रजातंत्र की रक्षा के लिए हर कुर्बानी के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। वहीं, उन्होंने 10 पॉइंट्स में देश के लोगों ने अपने विचार साझा किए।

प्रताड़ना को आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं कह सकते: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि व्यक्ति पर किसी की आत्महत्या के लिए उकसाने का दोष तभी लगाया जा सकता है, जब इसका पुख्ता सबूत हो। सिर्फ प्रताड़ना का आरोप इसके लिए काफी नहीं है। यह टिप्पणी विक्रम नाथ और पीबी वराले की पीठ ने 10 दिसंबर को गुजरात हाईकोर्ट के एक फैसले पर सुनवाई के दौरान दी। दरअसल, गुजरात हाईकोर्ट ने एक महिला के उत्पीड़न और उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में उसके पति और ससुराल वालों को बरी करने से इनकार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट के इस फैसले को पलटते हुए उन्हें महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप से बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब बेंगलुरु में 34 साल के IT इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या का मामला चर्चा में है। अतुल ने 24 पेज के सुसाइड नोट में अपनी पत्नी और उसके घरवालों पर उसे प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। इसके आधार पर बेंगलुरु पुलिस ने उनके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। गुजरात हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2021 में यह केस IPC की धारा 498A (विवाहित महिला के साथ क्रूरता करना) और 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत दर्ज किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि धारा 306 के तहत दोषी पाए जाने के लिए व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने की नीयत के पुख्ता सबूत होना जरूरी है। आरोपी को आत्महत्या के लिए उकसाए जाने का दोषी साबित करने के लिए सिर्फ प्रताड़ना काफी नहीं है।